हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर, बिलासपुर, बस्तर, दुर्ग-भिलाई, महासमुंद, धमतरी, कोंडागांव में रिपोर्टर पहुंचे तीस एजेंसियों में

बिलासपुर

कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिला, कहा- दूसरा इंतजाम कीजिए या शादी-ब्याह की डेट बढ़ाएं

आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹118641/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹144900/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹158172/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

राजधानी समेत छत्तीसगढ़ के कई जिलों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। होटल-रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबार लगभग ठप पड़ने की स्थिति में पहुंच गया है। घरेलू गैस मिल रही है लेकिन बुकिंग में दिक्कत है। आनलाइन बुकिंग नहीं होने की वजह से लोग एजेंसियों के सामने लंबी लाइन लगा रहे हैं। लेकिन शादी-ब्याह, गृह प्रवेश, मुंडन संस्कार और दूसरे समारोहों के लिए कमर्शियल सिलेंडर पूरे प्रदेश में कहीं नहीं है।

20 रिपोर्टर, 30 गैस एजेंसी...कहीं भी नहीं मिला कमर्शियल सिलेंडर

दूल्हा-दुल्हन तैयार, पर सिलेंडर ने बजा दिया बाजा कैटरिंग वालों ने बुकिंग कैंसिल की, कहा डेट बढाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि के 20 रिपोर्टर घराती और बाराती बनकर 30 गैस एजेंसियों में पहुंचे। किसी भी जगह शादी-ब्याह या समारोह के लिए कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिला। कैटरिंग वालों ने कहा-हमारे पास कोई व्यवस्था नहीं है। शादी की डेट आगे बढ़ा दीजिए। कैटरिंग वालों ने कहा कि हम अब बुकिंग नहीं ले रहे। जो बुकिंग पहले से हैं उन्हें केंसिल कर रहे हैं। हरिभूमि की पड़ताल में सामने आया कि रायपुर सहित कई जिलों की करीब 30 गैस एजेंसियों में कमर्शियल सिलेंडर का स्टॉक लगभग खत्म है। जहां हैं, उन्हें सरकारी कामकाज वाली जगहों...जैसे आंगनबाड़ी, जेल या दूसरी जगहों पर सप्लाई किया जा रहा है।

"कमर्शियल सिलेंडर नहीं है इंतजाम कहीं और कर लीजिए या कार्यक्रम की तारीख बढ़ा दीजिए।"

रायपुर में कामर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक लगभग खत्म हो चुका है। गैस एजेंसियों के पास अब सिर्फ अस्पताल, सेंट्रल जेल सहित अन्य इमरजेंसी सेवा एवं सरकारी कार्यालयों की जरूरत के अनुसार ही स्टॉक बचा है। यह स्टॉक अब होटल, रेस्टोरेंट, कैटरिंग का काम करने वालों को भी नहीं दिया जा रहा है। हरिभूमि के आधा दर्जन रिपोर्टर शनिवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में संचालित एचपी, इंडेन, भारत कंपनियों के 20 से अधिक गैस एजेंसियों के दफ्तर और गोदाम में ग्राहक बनकर पहुंचे और शादी-ब्याह, जनेऊ संस्कार, जन्मदिन सहित अन्य कार्यक्रमों का हवाला देते हुए कामर्शियल गैस सिलेंडर ब्लैक में अधिक दाम पर लेने की बात कहीं। इस दौरान ज्यादातर गैस एजेंसियों के कर्मचारियों ने ▶▶| शेष पेज 5 पर

केस 1

गोगांव स्थित इंडेन और एचपी गैस एजेंसी के दफ्तर और गोदाम में मौजूद कर्मचारियों से रिपोर्टर छट्ठी कार्यक्रम के लिए 3 कामर्शियल गैस सिलेंडरों की जरूरत बताते हुए मांग की। इस पर यहां के कर्मचारियों ने कहा कि कामर्शियल का स्टॉक खत्म हो गया है, जो बचा है वह सिर्फ इमरजेंसी सेवा एवं सरकारी कार्यालयों के जरूरत के अनुसार है, इसलिए सिलेंडर मिल नहीं पाएगा तथा घरेलू सिलेंडर बिना बुकिंग के नहीं मिल पाएगा।

केस 2

कमर्शियल सिलेंडर की पड़ताल करने टीम श्रीनगर गुढ़ियारी पहुंची। यहां सिलेंडर मांगे जाने पर तत्काल में उपलब्ध नहीं होना बताया गया। एजेंसी कर्मचारी ने बताया कि कर्मशियल सिलेंडर मिलने में सप्ताहभर से अधिक का समय लग सकता है। कर्मचारी ने बताया कि बीते तीन दिनों से कमर्शियल सिलेडर लेने वाले दिन में 100 से अधिक लोग पहुंच रहे हैं।

रायगढ़

कोण्डागांव

बिरगांव में वसूल रहे मुंहमांगी कीमत

बिरगांव निगम क्षेत्र में गैस सिलेंडर की चल रही कालाबाजारी की टोह ली। पता चला कि कमर्शियल उपभोक्ताओं को सप्ताहभर बाद भी आपूर्ति नहीं दी जा रही है। कमर्शियल सिलेंडर में 10 किलो गैस भरने का 1500 से 1600 रुपए वसूला जा रहा है। जरूरतमंदों को ज्यादा कीमत देने के बाद भी गैस के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है।

दूसरे जिलों की हालत

रायपुर के अलावा महासमुंद, बीजापुर, बस्तर, धमतरी सहित अन्य जिलों में भी विभिन्न गैस एजेंसियों के दफ्तर एवं गोदाम में पड़ताल की गई। इस दौरान ज्यादातर गैस एजेंसियों में कामर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक लगभग खत्म हो चुका है, जिससे होटल, रेस्टोरेंट के अलावा शादी-ब्याह सहित अन्य कार्यक्रमों में कैटरिंग का कार्य करने वालों का काम भी बंद पड़ा ▶▶| शेष पेज 5 पर

लकड़ी की मांग बढ़ी

वन विभाग के अनुसार उनके पास रोज होटल कारोबारियों के साथ अन्य लोगों के दो दर्जन से ज्यादा कॉल आ रहे हैं। कॉल करने वाले जलाऊ लकड़ी की कीमत जानने कॉल कर रहे। इसके साथ ही लकड़ी टॉल संचालित करने वाले संचालकों के पास लोग कॉल कर जलाऊ लकड़ी की कीमत के बारे में जानकारी ले रहे है।

केस 3

चंगोराभाटा गैस एजेंसी के कर्मचारी ने कमर्शियल सिलेंडर नया स्टॉक आने पर देने की बता कहीं। वर्तमान में केवल घरेलू सिलेंडर आसानी से मिल रहे हैं। अधिक दाम देने की बात कहने पर भी कमर्शियल सिलेंडर मिलने में 10 दिन से अधिक समय लगने की बात कही गई।

केस 4

आशीर्वाद भवन स्थित रूकमणी गैस एजेंसी एवं फायर ब्रिगेड चौक स्थित रायपुर गैस एजेंसी के कर्मचारियों ने बताया कि उनके यहां कामर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक खत्म हो गया है, घरेलू सिलेंडर का भरपूर स्टॉक है, लेकिन बुकिंग करने पर ही मिलेगा।

केस 5

टैगोर नगर स्थित गणपति गैस एजेंसी के कर्मचारी ने भी बताया कि कामर्शियल सिलेंडर का स्टॉक नहीं हैं। घरेलू सिलेंडर बुकिंग करने पर ही मिल पाएगा। शादी हो या कोई भी पार्टी, स्टॉक नहीं है तो कहां से दें।

विकास-समस्याओं पर मंथन

हरिभूमि और आईएनएच का आज मुंगेली में जिला संवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मुंगेली

हरिभूमि-आईएनएच के जिला संवाद 2026 का आयोजन रविवार 15 मार्च को मुंगेली में किया गया है। इस आयोजन में राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले के विकास और समस्याओं पर मंथन होगा। प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी जनप्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी जिले की योजनाओं एवं समस्याओं पर जनप्रतिनिधियों से करेंगे चर्चा

15 मार्च को दोपहर तीन बजे कलेक्ट्रेट स्थित जनदर्शन कक्ष में होने वाले इस आयोजन में राज्य के उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विधायक पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पांडेय, जिला भाजपा अध्यक्ष दीनानाथ केशरवानी, नगर पालिका लोरमी के अध्यक्ष सुजीत वर्मा,भाजपा नेता देव चरण भास्कर,विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी संजीत बेनर्जी, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम वर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हेमेंद्र गोस्वामी, मुंगेली नगरपालिका अध्यक्ष रोहित शुक्ला, युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव लक्ष्मीकांत भास्कर सहित अन्य जनप्रतिनिधि ▶▶| शेष पेज 5 पर

11 जिलों में 29 गौधाम

मुख्यमंत्री साय ने शुरू की गौधाम योजना

जोगीपुर में राज्य के प्रथम गौ अभ्यारण्य का शिलान्यास

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को बिलासपुर स्थित गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी गौधाम योजना का शुभारंभ किया। योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के 11 जिलों में 29 गौधामों का संचालन प्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बिलासपुर जिले के कोटा विकासखण्ड के ग्राम जोगीपुर में राज्य के प्रथम गौ अभ्यारण्य का शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जोगीपुर में प्रस्तावित गौ अभ्यारण्य लगभग 184 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा।

सबसे पहले लाइफ इंश्योरेंस

LIC भारतीय जीवन बीमा निगम LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

सौ वर्षीय प्लान!

एलआईसी का जीवन उमंग

UIN No.: 512N312V03 PLAN NO: 745

एक पार, नॉन-लिंक्ड, व्यक्तिगत, बचत, आजीवन बीमा प्लान

अंतिम प्रीमियम के बाद से लेकर 99 वर्ष की आयु तक हर वर्ष पाइए मूल बीमाधन राशि का 8% के बराबर गारंटीड उत्तरजीविता लाभ और 100 वर्ष की आयु तक जीवित रहने पर एकमुश्त परिपक्वता लाभ.

विशेषताएँ :

- आयु योग्यता : 30 दिन से लेकर 55 वर्ष तक
- न्यूनतम मूल बीमाकृत राशि : ₹ 2,00,000/-
- अधिकतम मूल बीमाकृत राशि : कोई सीमा नहीं
- प्रीमियम भुगतान अवधि : 15, 20, 25 एवं 30 वर्ष
- पॉलिसी अवधि : (100 में से प्रवेश पर आयु घटाकर) वर्ष

प्रमुख विशेषताएँ :

- 100 वर्ष की आयु तक आजीवन जोखिम बीमा-सुरक्षा
- पूरी प्रीमियम भुगतान अवधि में बोनस
- अंतिम अतिरिक्त बोनस (यदि कोई हो)
- ऋण सुविधा

हमारा वॉट्सएप नं. 8976862090 कहिए 'Hi'

अधिक जानकारी के लिए आप अपने बीमा एजेन्ट/नज़दीकी एलआईसी शाखा से संपर्क करें

डाउनलोड करें एलआईसी मोबाइल ऐप LIC digital

कॉल सेन्टर सर्विस (022) 6827 6827

हमें यहाँ फॉलो करें: LIC India Forever

IRDAI Regn No.: 512

LIC/P1/2025-26/32/Hin

धोखेधड़ी वाले फ़ोन कॉल्स तथा झूठे/भ्रामक प्रस्तावों से सावधान रहें. आईआरडीएआई या इनके कर्मचारी बीमा व्यवसाय जैसे कि बीमा पॉलिसियों की बिक्री, बोनस की घोषणा या प्रीमियम्स के निवेश, राशियां लौटाना जैसी कोई भी गतिविधियों में शामिल नहीं होते हैं. जिन पॉलिसीधारकों या संभावित ग्राहकों को ऐसे फ़ोन कॉल्स मिलें, वे कृपया पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज करें. कृपया बिक्री के समापन से पहले बिक्री पुस्तिका को ध्यान से पढ़ लें.

वायरल वीडियो में विधानसभा के बाहर आत्मदाह की धमकी

कथा करवाकर मंत्रीजी ने नहीं दिए पैसे, आत्महत्या करूंगा मंत्री अग्रवाल ने कहा-आरोप झूठे, एफआईआर होनी चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के कथावाचक डॉ. रामानुरागी महाराज ने वीडियो जारी कर विधानसभा के बाहर आत्मदाह करने की धमकी दी है। कथावाचक का कहना है कि संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने उनसे कथा कराई और पैसे नहीं दे रहे हैं। यह पैसे करीब 15 लाख रुपए हैं। श्री अग्रवाल ने आरोपों को झूठा बताया है। रामानुरागी महाराज ने आयोजन करने की बात कहकर संस्कृति विभाग में आवेदन दिया था। मैंने उनके आवेदन को रिमॉर्क किया था, जैसे सबका करता हूं। संस्कृति विभाग ऐसे आयोजनों पर राशि नहीं जारी करता। अब वीडियो वायरल कर झूठा आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा, ऐसे लोग जो अनर्गल रूप से वीडियो जारी कर वसूली का प्रयास करते उनके खिलाफ एफआईआर होना चाहिए।

- कथा वाचक ने आरोप लगाकर मांगे करीब 15 लाख रुपए

डॉ. रामानुरागी महाराज

राजेश अग्रवाल

यह है मामला

कांग्रेस नेता धनंजय ठाकुर ने अपने सोशल मीडिया पेज पर कथावाचक डॉ. रामानुरागी महाराज का वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में कथा वाचक कह रहा है कि 2 से 9 जनवरी तक उन्होंने मंत्री राजेश अग्रवाल के अंबिकापुर स्थित लखनपुर गांव में भव्य श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया था। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कथावाचन करवाया, लेकिन पैसा नहीं दिया। जब भी पैसे मांगने जाओ तो बात तक नहीं सुनी जाती। किनारे कर दिया जाता है।

कथावाचक के आरोप गलत, मैंने नहीं कराया आयोजन- अग्रवाल

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा, कथावाचक का आरोप पूरी तरह से गलत है। इस आयोजन पर मै और मेरा परिवार कहीं भी शामिल नहीं है। न ही इस आयोजन में मै गया। यह आयोजन लखनपुर में भारती नमो सेवा दल के द्वारा कराया गया था। आयोजन पूरी कराकर दो दिन पहले विधानसभा के बाहर डॉ. रामानुरानी महाराज मुझसे मिले थे, मैंने कहा, विधानसभा जा रहा हूं, जल्दी में हूँ। उसके बाद इस तरह का वीडियो वायरल हो रहा है।

Inspired By Japanese Minimalism.
Built For Modern Living.
Rooted In Nature.

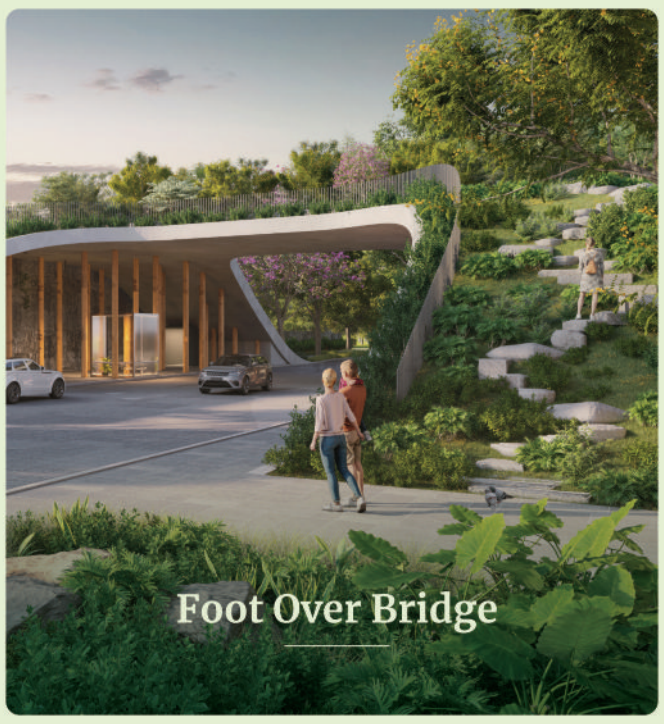

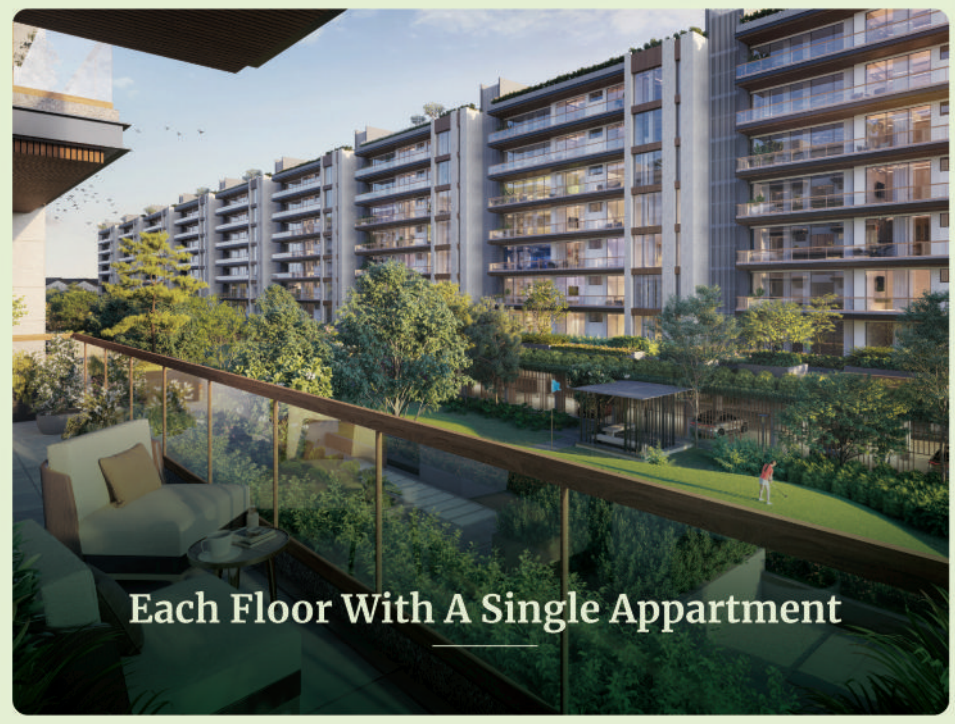

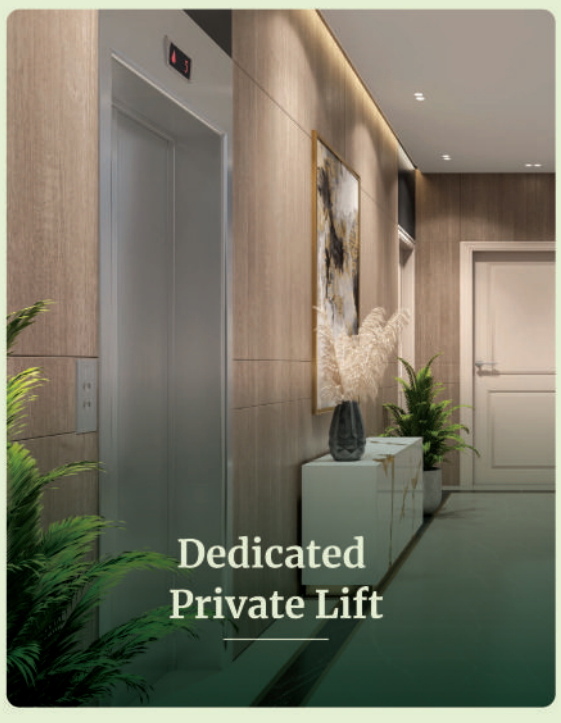

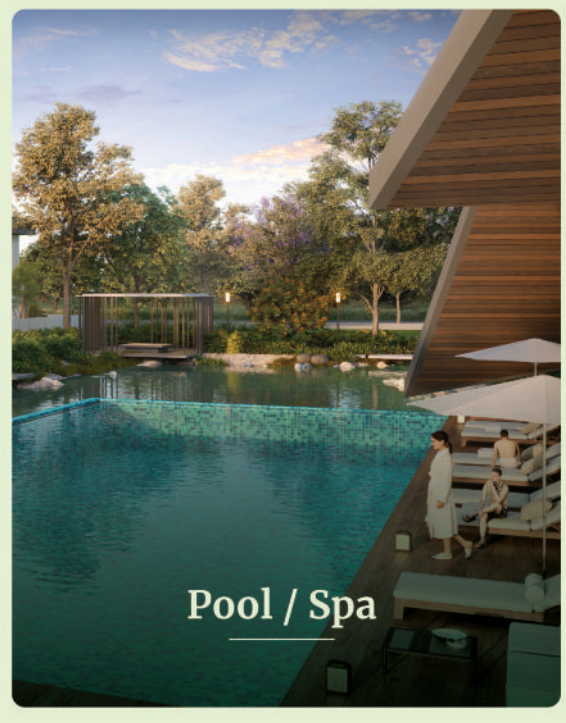

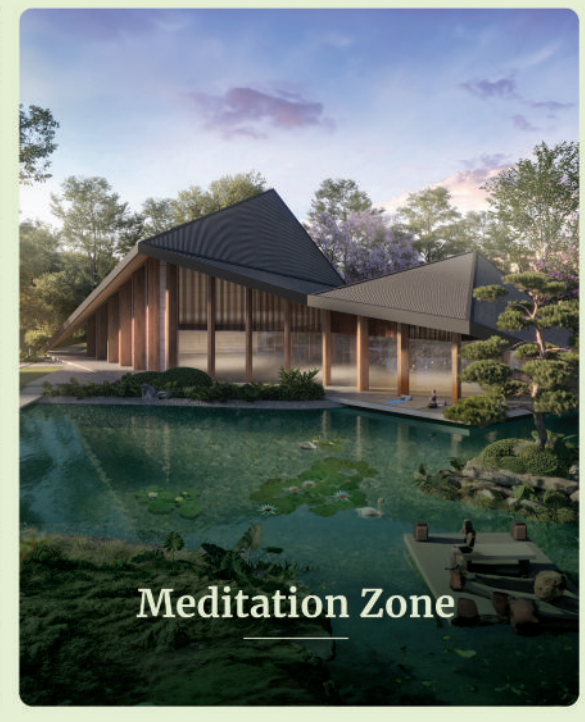

RAMA GROUP
Building a Better Tomorrow

70491 10000 / 20000 / 30000 / 40000

Site Address - Rama Eiko, Near Palm Bellagio, Shankar Nagar, Raipur
Chhattisgarh - 492007 | www.ramaeiko.com | sales@ramaeiko.com

PCGRERA130326002060
https://rera.cgstate.gov.in

बिलासपुर

रविवार 15 मार्च 2026

चैत्र कृष्ण पक्ष द्वादशी

वर्ष : 25, अंक : 352

पृष्ठ : 12+8=20, मूल्य : 5.00***

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 39.0

न्यून. 22.6

9 सबालेंका ने 1 घंटे 28 मिनट में जीता मैच, लिंडा को हराकर...

आजकल

6 तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे कदम

दर्द अनेक, उपचार एक!

प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

घुटने का दर्द, साइटिका, गाठिया, हड्डियों का दर्द, मांसपेशियों में सूजन,
जकड़न, आमवात, संधिवात और मोच में भी लाभदायक, बिना किसी साइड इफेक्ट के !

SUPER STOCKIST - पंकज मेडीकोज, बिलासपूर -6261187686, नथानी एजेन्सी, रायपूर - 7746032260, राजनांदगाव - महेश एजन्सी-7000616262, ताराचंद चितलांगीया & कं. -8889669996

Costumer Care : 1800 120 3133 | Mob.: 9112637000, 9823286830 | www.pradikshaherbals.com

₹ 120/-

आने का समय भी अलग, सबसे पहले आंध्रप्रदेश के आम आते हैं बाजार में

जानिए...आम की खास फसल के बारे में : उत्तर प्रदेश, ओडिशा में फूल खिले छत्तीसगढ़ में फल, आंध्र में पक गए आम, बफर फसल से कम रहेंगे इस बार दाम

राजकुमार ग्वालानी ⏭ रायपुर

गर्मी का आगाज होने के साथ ही आम का इंतजार होने लगता है। फसल की बात होने लगती है। देश में सबसे बड़ा आम उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है, लेकिन सबसे पहले आंध्रप्रदेश की ही फसल बाजार में आती है। इस समय जहां उप्र और ओडिशा में आम की फसल में जहां महज फूल ही लगे हैं, वहीं अपने राज्य छत्तीसगढ़ में आम की फसल में फल आ गए हैं। आंध्रप्रदेश में तो आम पक गए हैं और तुड़ाई का काम भी प्रारंभ हो गया है। इस माह के अंत में ⏭शेष पेज 5 पर

अलग खबर

कच्चे आम के दाम अब कमः डूमरतराई थोक सब्जी मंडी के अध्यक्ष टी. श्रीनिवास रेड्डी के मुताबिक इस समय बाजार में आंध्र प्रदेश के कच्चे आम आ रहे हैं। इसकी कीमत पहले थोक में 180 रुपए थी, बाद में दाम 120 रुपए हुए और अब 70 रुपए किलो के हिसाब से कच्चे आम बिक रहे हैं। आने वाले समय में इसके दाम और कम होंगे।

छत्तीसगढ़ के आम से बनता है अचार और अमचूर

अपने राज्य छत्तीसगढ़ में भी आम की खेती होती है, लेकिन यहां पर इसकी खेती कम होती है। कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कृषि वैज्ञानिक जीएल शर्मा के मुताबिक अपने राज्य में व्यावसायिक खेती का अभाव है। ऐसे में अपने राज्य में आम की फसल कम होती है। यहां की फसल का ज्यादातर उपयोग अमचूर और अचार बनाने में होता है। बस्तर में आमों से अमचूरों भारी मात्रा में बनता है। इसी के साथ प्रदेश में जहां भी आम की खेती होती है, उन आमों का उपयोग अचार बनाने में होता है। पक्के आम बहुत कम मात्रा में बाजार में बिकते हैं।

उप्र में फूलों की बहार

उप्र में आम की खेती में इस समय फूलों की बहार आई हुई है। उप्र के कृषि वैज्ञानिक शैलेन्द्र राजन ने बताया हमारे राज्य में आम की फसल में फरवरी और मार्च में फूल आते हैं। इस समय फसल में भारी मात्रा में फूल आने के कारण संभावना है कि इस बार फसल अच्छी होगी। लेकिन इसके लिए मौसम का साथ जरूरी है। कई बार मौसम की मार के कारण फसल प्रभावित हो जाती है। उप्र में आम की फसल जून के माह में बाजार में आती है। ऐसा ही ओडिशा में भी होता है। इस राज्य में उप्र की तरह की फरवरी मार्च में फसल में फूल आते हैं और मई में फसल बाजार में आती है।

आंध्र के आम आएंगे बाजार में

राजधानी रायपुर के फल कारोबारी सतीश चौधरी के मुताबिक प्रदेश में सबसे पहले आंध्र प्रदेश के आम ही बाजार में आते हैं। देश में सबसे पहले इसी राज्य में आम की फसल पहले तैयार होती है। आंध्र के आम ही सबसे ज्यादा बिकते हैं। इस राज्य के आम बैगनपल्ली, तोतापुरी और नीलम को बहुत पसंद किया जाता है। इस बार जैसा की जानकारी मिल रही है कि फसल अच्छी है तो दाम भी कम रहने की संभावना है। वैसे शुरुआत में जब भी आम आते हैं तो पहले दाम कुछ ज्यादा रहते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आवक बढ़ने लगती है तो दाम भी कम हो जाते हैं।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पेड़ से टकराई बस, चार की मौत, 10 घायल

दिफू। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में शनिवार को एक बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई, जिससे उसमें सवार कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए। मध्य असम के मोरीगांव जिले के मोइराबारी से नगालैंड के दीमापुर जा रही बस बोकाजान थाना क्षेत्र के अंतर्गत लक्खिजन में तड़के दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

मालगाड़ी की चपेट में आने से तीन की मौत

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार रात रेल की पटरियों पर चल रहे तीन लोगों की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों ने दावा किया है कि जब यह घटना हुई उस समय कथित तौर पर पुलिस तीनों युवकों का पीछा कर रही थी जिसकी वजह से वे पटरियों पर दौड़ रहे थे। स्वप्निल शैलेश पालंदे, कुणाल कुमार दुबला और अफरोज खलील शेख एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए।

जंग के बीच भारत को बड़ी राहत, शिवालिक और नंदा देवी ने पार किया होर्मुज स्ट्रेट

ईरान में सबसे ताकतवर हवाई हमला अमेरिका ने खर्ग द्वीप पर बरसाए बम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली/ दुबई

अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग का शनिवार को 15वां दिन है। 28 फरवरी से शुरू हुई जंग अब तक किसी अंजाम तक नहीं पहुंची है। हमले का बदला लेते हुए ईरान ने खाड़ी देशों में कई जगहों पर बमबारी की है। ईरान ने उस होर्मुज स्ट्रेट को भी बंद कर दिया है, जहां से दुनिया का 20% कच्चा तेल गुजरता है। यहां से गुजरने वाले जहाजों पर ईरान हमला कर रहा है. हालांकि, ईरान ने अपने दोस्त भारत के लिए होर्मुज स्ट्रेट को खोल दिया है। भारत आने वाले दो एलपीजी टैंकर को ईरान ने रास्ता दे दिया है। इराक की राजधानी बगदाद में मौजूद अमेरिकी दूतावास पर बड़ा हमला हुआ है। एक मिसाइल ने अमेरिकी दूतावास को निशाना बनाया है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह हमला ईरान की ओर से किया गया है। इधर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने शुक्रवार को ईरान के खार्ग द्वीप पर ⏭शेष पेज 5 पर

इराक की राजधानी बगदाद में मौजूद अमेरिकी दूतावास पर बड़ा हमला हुआ है। ईरानी मिसाइल ने अमेरिकी दूतावास को निशाना बनाया है। इधर, अमेरिका ने ईरान के तेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण एक द्वीप पर स्थित सैन्य ठिकानों को नष्ट कर दिया। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन में हस्तक्षेप करना जारी रखता है, तो उसकी तेल अवसंरचना को निशाना बनाया जाएगा। इधर, जंग के बीच भारत को बड़ी राहत मिली है। खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाज शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गए।

होर्मुज की सुरक्षा को लेकर अमेरिका का दबाव

अमेरिका ने अन्य देशों से होर्मुज जलडमरूमध्य को तेल और कमर्शियल जहाजों के लिए खुला रखने में मदद करने का आग्रह किया है। व्हाइट हाउस इस समुद्री मार्ग से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए 20 अरब डॉलर तक की बीमा गारंटी जैसे उपायों पर विचार कर रहा है, साथ ही, डोनाल्ड ट्रंप ने तेल और माल के सुचारू प्रवाह को बनाए रखने के लिए अमेरिकी नौसेना के जहाजों की तैनाती के संकेत भी दिए हैं।

ट्रंप ने कहा-अमेरिका ने ईरान के तेल नेटवर्क के लिए महत्वपूर्ण द्वीप पर की बमबारी

ईरान की यूएई के लोगों को चेतावनी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के केंद्रीय सैन्य कमान मुख्यालय खातम अल-अनबिया ने संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले लोगों को चेतावनी दी है। मुख्यालय ने वहां के निवासियों और आबादी वाले इलाकों में रहने वाले लोगों से बंदरगाहों, डॉक क्षेत्रों और अमेरिका से जुड़े सैन्य ठिकानों के आसपास के इलाकों को खाली करने की अपील की है। ईरानी सैन्य कमान ने कहा कि लोगों को इन स्थानों से दूर रहना चाहिए ताकि किसी भी संभावित हमले की स्थिति में उन्हें नुकसान न पहुंचे। यह चेतावनी ऐसे समय में जारी की गई है, जब क्षेत्र में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और संभावित सैन्य कार्रवाई को लेकर आशंका बनी हुई है।

संकट के बीच राहत भरी खबर

होर्मुज स्ट्रेट के पार, 92,700 टन एलपीजी ला रहे जहाज

खाड़ी देशों से एलपीजी लेकर आ रहे भारतीय ध्वज वाले दो जहाज शनिवार सुबह युद्ध प्रभावित होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित पार कर गए। जहाजरानी मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने प्रेसवार्ता में बताया कि एलपीजी ला रहे जहाज 'शिवालिक' और 'नंदा देवी' अब गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये जहाज 92,700 टन एलपीजी ला रहे हैं, और इनके 16-17 मार्च को भारतीय बंदरगाहों पर पहुंचने की संभावना है। ये दोनों पोत उन 24 जहाजों में शामिल थे, जो क्षेत्र में युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य के पश्चिमी किनारे पर फंसे हुए थे।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व विधायक विकास और पीसीसी महासचिव सुबोध ने की निंदा

सोशल मीडिया पोस्ट, तिहाड़ जेल भेजे गए विनोद तिवारी, कांग्रेस का विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ऐप्सटिन फाइल्स से संबंधित एक पोस्ट करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री विनोद तिवारी को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया है। श्री तिवारी की गिरफ्तारी की कांग्रेस ने निंदा की है। बताया जाता है कि विनोद तिवारी अपने पिताजी के अंतिम पिंड दान करने उत्तरप्रदेश के कौशांबी जिले गए हुए थे। तब उन्हें वहां से दिल्ली ⏭शेष पेज 5 पर

भाजपा अलोकतांत्रित हो गई-सुशील

मामले में प्रदेश संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा अलोकतांत्रित हो गई है। विपक्ष की आलोचनाओं को सहने की शक्ति नहीं बची। कांग्रेस इस गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करती है। श्री शुक्ला ने कहा कि एआईसीसी के द्वारा कानूनी सहायता प्रदान की जाएगी।

विनोद ने कहा-न्याय की लड़ाई लड़ते रहूंगा

कोर्ट में विनोद तिवारी ने कहा है कि इस देश की नफरती ताकतों के खिलाफ वो लगातार लड़ते रहेंगे। उन्हें न्यायपालिका में संपूर्ण विश्वास और निष्ठा है अतः वे महात्मा गांधी जी जवाहरलाल नेहरू जी, सुभाष चंद्र बोस जी और सरदार पटेल जी के रास्ते पर चलते हुए न्याय के लिए लड़ते रहेंगे और अंततः विश्वास है कि सत्य की जीत होगी।

केंद्र सरकार ने हटाया रासुका

छह महीने बाद वांगचुक की हिरासत रद्द, जेल से हुए रिहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। वांगचुक को शनिवार को जोधपुर केंद्रीय जेल से रिहा कर दिया गया। वांगचुक को लेह में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद लगभग छह महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। केंद्र सरकार ने कहा है कि यह निर्णय लद्दाख में शांति को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि वह वांगचुक के भाषणों के वीडियो देखेगा और उनकी पत्नी की याचिका पर 17 मार्च को अंतिम सुनवाई करेगा।

सरकार बोली- बातचीत का माहौल बनाने फैसला

सरकार ने यह फैसला सुप्रीम कोर्ट में वांगचुक की याचिका पर अंतिम सुनवाई (17 मार्च) के दो दिन पहले लिया। कोर्ट सुनवाई के दौरान वे वीडियो और फोटो देखेगा, जिनके आधार पर सरकार ने उन पर एनएसए लगाया था। केंद्र सरकार ने कहा कि यह फैसला लद्दाख में शांति, स्थिरता और संवाद का माहौल बनाने के लिए लिया गया है। लद्दाख में विभिन्न समुदायों और नेताओं के साथ लगातार बातचीत की जा रही है। हड़ताल और विरोध प्रदर्शनों का असर छात्रों, नौकरी चाहने वालों, व्यापार, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा था। क्षेत्र की चिंताओं को दूर करने के लिए हाई-पावर्ड कमेटी के जरिए बातचीत जारी रहेगी।

संजीवनी सेवा के लिए नई एजेंसी, एक अप्रैल से शुरुआत की

पहली बार 108 सेवा में पीडियाट्रिक इमरजेंसी एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस की बढ़ेगी संख्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आपात स्थिति में मरीजों की मदद करने वाली 108 सेवा से पीडियाट्रिक इमरजेंसी में भी मदद मिलेगी। एक अप्रैल से तीन सौ नई एंबुलेंस राज्य में सहायता के लिए दौड़ेगी। आवश्यकताओं को देखते हुए एडवांस लाइफ सपोर्ट वाले सिस्टम की संख्या बढ़ाकर 70 की जाएगी। दावा किया जा रहा है कि कॉल ट्रेकर सिस्टम से लैस इन एंबुलेंस से रिस्पांस टाइम को भी कम करने में मदद मिलेगी।

खास खबर

लंबी प्रक्रिया और तीन बार की कोशिशों के बाद सीजीएमएससी ने सिंगल टेंडर के माध्यम से 108 संजीवनी सेवा के संचालन के लिए नई एजेंसी तय की गई है। उसके साथ अनुबंध हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी करने के बाद एक अप्रैल से इस एंबुलेंस सेवा संचालन नई कंपनी के माध्यम से किया जाएगा।

3 सौ नई एंबुलेंस, रिस्पांस टाइम कम करने कॉल ट्रेकर सिस्टम का दावा

गर्भवती महिलाओं का केवल परिवहन

गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए अस्पताल पहुंचाने के लिए 102 महतारी एक्सप्रेस का संचालन किया जा रहा है। पूर्व में संचालित वाहनों में आपात स्थिति के लिए इसमें पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती होती थी। इसके नए टेंडर के बाद भी 102 महतारी एक्सप्रेस का उपयोग केवल गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पताल तक पहुंचाने के लिए किया जाता है। पैरामेडिकल स्टाफ के अभाव में कई बार जरूरत के दौरान मरीज को दिक्कत भी सामने आ जाती है।

जानकारी के अनुसार नए टेंडर में सुविधा में बढ़ोतरी के दावे किए जा रहे है। नई एजेंसी को तीन सौ नई एंबुलेंस लाना है, जिससे हर जिले में नई गाड़ी उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अलावा इस योजना में 10 ऐसी एंबुलेंस को शामिल किए जाने का दावा किया ⏭शेष पेज 5 पर

एमएमयू, डाक्टर नहीं तो संचालन नहीं

सुदूर इलाकों में रहने वालों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए पीएम जनमन योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। अधिकारिक सूत्रों के मुताबिक एमएमयू में जरूरी दवाओं के साथ एमबीबीएस डाक्टर की तैनाती जरूरी है। जिस यूनिट में डाक्टर की नियुक्ति नहीं की गई है उसका संचालन नहीं किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। एमएमयू के माध्यम से अभी विभिन्न क्षेत्रों में ढाई सौ ज्यादा शिविर लगाए गए हैं।

PRESENTING

DAY TWO OF NAYA ECO-LIVING

AT NAYA RAIPUR

avinash Upwan

At Avinash Upwan, the forest will be your friend and nature will be your neighbour, with an array of residential options where life feels effortlessly beautiful. A forest within the city. Your paradise within reach.

75 ACRES OF LUSHNESS

2 CLUB HOUSES

CENTRAL WATERBODY

GRAND COMMERCIAL

Artist's Impression

BetheBee.in

EXOTIC COUNTRY VILLAS

EXQUISITE GARDEN VILLAS

STUDIO APARTMENTS 1 BHK

HIGH-RISE APARTMENTS 2 & 3 BHK

BEST OF NATURE BECOMES YOUR BEST FRIEND

• Integrated natural waterbody • Central forest • Wishing wells • Tower of joy • Lake-front café • Landscaped floral garden • Kids' adventure play and many more...

TWO ELITE CLUBS | ONE SOCIAL ECOSPHERE

• Swimming pool with kids' pool • Gymnasium • Banquet hall with lawn • Co-working space • Café • Badminton & Squash court • Guest rooms and many more...

VISIT OUR SITE TODAY!

avinash
a relation for life

RERA NO. PCGRERA280225001883
HTTPS://RERA.CGSTATE.GOV.IN/

Sector 10, Naya Raipur

+91 99075 88444

ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए रचा डकैती का नाटक, पकड़े गए 11 भारतीय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय नागरिकों पर वीजा में धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। अमेरिकी सरकारी वकीलों के अनुसार, इन लोगों ने ग्रीन कार्ड हासिल करने के लिए शॉर्टकट के तौर पर सुविधा दुकानों में हथियारों के बल पर डकैती का नाटक रचा था। अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने जानबूझकर दुकानों में फर्जी डकैती की योजना बनाई। इसका मुख्य उद्देश्य यह था कि स्टोर में काम करने वाले क्लर्क आव्रजन आवेदनों में खुद को अपराध का शिकार बता सके। दरअसल, यह पूरी साजिश यू-वीजा प्राप्त करने के लिए रची गई थी।

यू-वीजा से खुलता है ग्रीन कार्ड का रास्ता

बता दें कि यू-वीजा उन नागरिकों को दिया जाता है जो किसी अपराध के शिकार हुए हों, या जिन्होंने मानसिक या शारीरिक यातनाएं झेली हो और जो पुलिस की जांच में मददगार साबित हुए हों। यह वीजा प्रवासियों को काम करने की अनुमति देता है और 5 से 10 साल के अंदर ग्रीन कार्ड प्राप्त करने का रास्ता भी खोलता है।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे कुछ क्लर्कों ने भिड़ाई थी तिकड़म

अपराध के शिकार हुए लोगों को दिया जाता है अमेरिका में यू-वीजा

आव्रजन आवेदनों में खुद को अपराध का शिकार बताना था उद्देश्य

मैसाचुसेट्स, केंटकी ओहियो के हैं आरोपी

आरोपियों के नाम, जितेंद्रकुमार पटेल (39), महेशकुमार पटेल (36), संजयकुमार पटेल (45), दीपिकाबेन पटेल (40), रमेशभाई पटेल (52), अमिताबेन पटेल (43), रौनककुमार पटेल (28), संगीताबेन पटेल (36), मिंकेश पटेल (42), सोनल पटेल (42) और मितुल पटेल (40) हैं। ये सभी मैसाचुसेट्स, केंटकी और ओहियो जैसे अमेरिकी राज्यों में अवैध रूप से रह रहे थे। दीपिकाबेन पटेल को मैसाचुसेट्स के वेमाउथ में अवैध रूप से रहने के कारण वापस भारत डिपोर्ट (निर्वासित) कर दिया गया है। जितेंद्रकुमार, महेशकुमार, संजयकुमार, अमिताबेन, संगीताबेन और मितुल को मैसाचुसेट्स में गिरफ्तार किया गया था और शुक्रवार को बोस्टन की संघीय अदालत में पेशी के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। रमेशभाई, रौनककुमार, सोनल और मिंकेश को केंटकी, मिसौरी और ओहियो में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें बाद में बोस्टन की संघीय अदालत में पेश किया जाएगा।

ऐसे दिया गया वारदात को अंजाम

आरोप पत्र के अनुसार, मार्च 2023 में 'रामभाई' नामक मुख्य साजिशकर्ता और उसके साथियों ने मैसाचुसेट्स और अन्य स्थानों पर कम से कम छह सुविधा/शराब की दुकानों और फास्ट फूड रेस्तरां में फर्जी डकैतियों को अंजाम दिया। इस नाटक में, लुटेरा सीसीटीवी कैमरे के सामने बंदूक (या उस जैसा कोई हथियार) दिखाकर कैशियर या मालिक को धमकाता था और गल्ले से पैसे लेकर भाग जाता था। लुटेरे के भागने के पांच मिनट या उससे अधिक समय बाद, 'पीड़ित' क्लर्क या मालिक जानबूझकर पुलिस को फोन करके 'अपराध' की रिपोर्ट दर्ज कराते थे ताकि मामला असली लगे।

योजना में शामिल होने आरोपियों ने दिए पैसे

वहीं, जांच में यह भी सामने आया है कि इन कथित पीड़ितों (क्लर्कों) ने इस पूरी योजना में शामिल होने के लिए आयोजक रामभाई को पैसे दिए थे। इसके बदले में, रामभाई ने इस फर्जी डकैती के लिए अपनी दुकानों का इस्तेमाल करने देने के लिए स्टोर मालिकों को पैसे चुकाए थे। रामभाई, डकैती का नाटक करने वाले 'लुटेरे' और उन्हें भगाने वाले ड्राइवर को पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है। वीजा धोखाधड़ी की साजिश के इस आरोप में अधिकतम 5 साल की जेल, 3 साल की निगरानी और 2,50,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 2 करोड़ रुपये) के जुर्माने का प्रावधान है।

इंडिगो-एयर इंडिया के बाद अकासा की उड़ान भी महंगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अगर आप भी गर्मियों की छुट्टियों में कहीं बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं, तो अपनी जेब थोड़ी और ढीली करने के लिए तैयार हो जाइए। एयर इंडिया और इंडिगो के नक्शेकदम पर चलते हुए अब अकासा एयर ने भी ईंधन की बढ़ती कीमतों का बोझ यात्रियों पर डालने का फैसला किया है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण एयरलाइन 15 मार्च से टिकट बुकिंग पर 1300 रुपये तक का अतिरिक्त फ्यूल सरचार्ज वसूल करेगी। अकासा एयर के प्रवक्ता द्वारा जारी बयान के अनुसार, ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि के कारण यह कदम उठाना अनिवार्य हो गया है। नए चार्ज 15 मार्च 2026 की रात 00:01 बजे से होने वाली सभी बुकिंग पर लागू होंगे। अगर आपने 15 मार्च से पहले टिकट बुक कर ली है, तो आपको यह अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।

हवाई सफर पर मिडिल ईस्ट जंग की मार

कितना लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज?

नया सरचार्ज फ्लाइट की दूरी और समय के आधार पर तय किया गया है। यह सरचार्ज घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों मार्गों पर लागू होगा। इसका न्यूनतम शुल्क: 199 रुपये व अधिकतम शुल्क: 1300 रुपये होगा। एयरलाइन का कहना है कि मिडिल ईस्ट में उपजे हालातों की वजह से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इजाफा हुआ है। इसी के चलते हमें 199 रुपये से लेकर 1300 रुपये तक का फ्यूल सरचार्ज लगाने पर मजबूर होना पड़ा है।

फ्लाइट की अवधि से तय होगी टिकट की कीमत

सरचार्ज प्रत्येक सेक्टर के हिसाब से अलग-अलग होगा। इसका मतलब है कि फ्लाइट जितनी लंबी होगी, यात्री को उतना अधिक सरचार्ज देना होगा। उदाहरण के तौर पर, छोटे रूट जैसे दिल्ली से चंडीगढ़ के मुकाबले लंबे रूट जैसे मुंबई से सिंगापुर या दिल्ली से केरल पर यह शुल्क अधिक हो सकता है।

इराक के अधिकारियों ने की भीषण अटैक की पुष्टि

बगदाद के अमेरिकी दूतावास पर ईरान का बड़ा हमला, हेलीपैड, कैम्पस तबाह

एजेंसी ▶▶| बगदाद

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग को 15 दिन हो चुके हैं। शनिवार को ईरान ने अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। ईरान ने इराक के बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर हमला किया है।

इराक के अधिकारियों ने हमले की पुष्टि की और बताया कि ईरान की मिसाइल दूतावास के हेलीपैड पर गिरी है। दूतावास परिसर के अंदर हेलिकॉप्टर उतारने के लिए हेलीपैड बनाया गया है, जो मिसाइल अटैक से तबाह हो गया है। पूरा कैंपस भी जलकर राख हो गया है। यह हमला तब किया गया है, जब अमेरिका ने खर्ग आइलैंड पर हमला किया और ईरान के सुप्रीम लीडर समेत 10 अधिकारियों पर आतंकवादियों की तरह इनाम की घोषणा की।

ईरानी मिसाइल ने सुरक्षा में लगाई बड़ी सेंध

सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' को बनाया गया निशाना

बगदाद के सबसे सुरक्षित इलाके में हमला

अमेरिकी दूतावास इराक की राजधानी बगदाद के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' में है, जहां हमला करने की हिम्मत ईरान ने दिखाई है। हेलीपैड को निशाना बनाकर ही मिसाइल दागी गई थी। हमले के बाद दूतावास परिसर से काला धुआं निकलते देखा गया और कैंपस में हड़कंप भी मच गया। वहीं अमेरिकी दूतावास में लगे रडार सिस्टम पर ड्रोन अटैक हुआ है, जिससे रडार को नुकसान पहुंचा है, लेकिन उसे रिकवर कर लिया जाएगा। सुरक्षित होने के बावजूद ईरान की मिसाइल का हेलिपैड तक पहुंचना सुरक्षा में एक बड़ी सेंध है। अमेरिका की मरीन कॉर्प्स के कमांडो और इराक पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है।

बगदाद में हमला अमेरिका-ट्रंप को सीधी चुनौती

अमेरिकी दूतावास पर हमला सीधे तौर पर ट्रंप को दी गई खुली चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि बगदाद में अमेरिकी दूतावास सबसे सुरक्षित राजनयिक परिसरों में से एक है।

3 अन्य अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी हमले

इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने दावा किया है कि उसने क्षेत्र में मौजूद 3 अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। ईरानी मीडिया के अनुसार आईआरजीसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलीरेजा तंगसीरी ने बताया कि इन हमलों में अबू धाबी के अल-धफरा एयरबेस और बहरीन के शेख ईसा एयरबेस को निशाना बनाया गया। तंगसीरी के मुताबिक पैट्रियट रडार सिस्टम, सैन्य विमान और विमानों के ईंधन भंडारण टैंकों पर हमले हुए। हालांकि इन दावों की अभी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है।

अमेरिका के 2500 मरीन और जंगी जहाज तैनात

इधर, अमेरिका ने मिडिल ईस्ट में 2500 मरीन और समुद्र के साथ-साथ जमीन से हमला करने वाले युद्धपोत तैनात कर दिए हैं। ऐसे में लगता है कि ट्रंप ने अब ईरान के खिलाफ कोई बड़ा प्लान बनाया है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिकी सेना की 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट और जमीन से हमला करने वाले जहाज यूएसएस ट्रिपोली को मिडिल ईस्ट की ओर रवाना होने का आदेश दिया गया है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को ब्लॉक करके दुनियाभर के कई देशों में तेल और गैस का संकट खड़ा कर दिया है। ऐसे में अब शायद अमेरिका की तैयारी जमीनी सैन्य कार्रवाई करने की है। बता दें कि 31वीं मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट, यूएसएस ट्रिपोली और मरीन सैनिकों को लेकर चलने वाले जहाज वर्तमान में जापान में तैनात हैं और प्रशांत महासागर में एक्टिव हैं।

'बंगाल में निर्मम सरकार का होगा अंत, लिया जाएगा हिसाब'

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

विधानसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी शनिवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक विशाल जनसभा में शामिल हुए। यहां उन्होंने बंगाल में 18,680 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की।

इसी दौरान, ब्रिगेड परेड ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने अपने संबोधन में कहा, 'बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर लिखा हुआ है और बंगाल के लोगों के दिलों में भी बस गया है। अब, बंगाल से इस निर्मम सरकार का अंत होना तय है।'

कोलकाता में मोदी ने साधा ममता पर निशाना

चुन-चुन कर लेंगे बदला

मोदी ने कहा, 'बंगाल में महा जंगलराज लाने वालों का काउंट डाउन शुरू हो चुका है। वो दिन दूर नहीं, जब बंगाल में फिर से कानून का राज होगा। जो कानून तोड़ेगा, जो अत्याचार करेगा, टीएमसी के किसी अत्याचारी को छोड़ा नहीं जाएगा, चुन-चुनकर हिसाब लिया जाएगा।' उन्होंने आगे कहा, 'यहां की निर्मम सरकार चाहे अब जितना जोर लगा ले, परिवर्तन की इस आंधी को वो अब रोक नहीं पाएगी।

इंस्टाग्राम में प्राइवेसी खत्म! पढ़ सकेगा अब आपकी चैट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि इंस्टाग्राम पर एंड टू एंड एनक्रिप्टेड चैट फीचर 8 मई 2026 के बाद बंद कर दिया जाएगा। यानी इस तारीख के बाद इंस्टाग्राम के डायरेक्ट मैसेज (डीएम) में यह सुरक्षा फीचर उपलब्ध नहीं रहेगा। यह जानकारी खुद इंस्टाग्राम के आधिकारिक हेल्प पेज पर दी गई है, जहां साफ कहा गया है कि 8 मई 2026 के बाद इंस्टाग्राम पर एंड टू एंड एनक्रिप्टेड मैसेजिंग सपोर्ट नहीं करेगा। अगर किसी यूजर की चैट इस फीचर के तहत है, तो उन्हें पहले से नोटिफिकेशन मिलेगा और वे अपने चैट डेटा को डाउनलोड भी कर सकेंगे।

मेटा का ऐलान, हटने वाला है एंड टू एंड एनक्रिप्शन

एंड टू एंड एनक्रिप्शन

एंड टू एंड एनक्रिप्शन में मैसेज भेजने वाले और पाने वाले के अलावा कोई भी तीसरा व्यक्ति उसे पढ़ नहीं सकता। यहां तक कि प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनी भी उन मैसेज को नहीं देख सकती। इस तकनीक में मैसेज भेजते समय वह एक कोड में बदल जाता है और केवल रिसीवर के डिवाइस पर ही डिक्रिप्ट होता है।

पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में 2 विस्फोटक ड्रोन मार गिराए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सुरक्षा एजेंसियों ने विस्फोटकों से भरे दो ड्रोन मार गिराए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक ड्रोन फैजाबाद इलाके के पास गिरा, जबकि दूसरा I-9 सेक्टर में गिराया गया। इससे पहले अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि अफगान वायुसेना ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कोहाट क्षेत्र में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। दरअसल पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल और कंधार में हवाई हमले किए थे। तालिबान अधिकारियों के मुताबिक इन हमलों में 6 लोगों की मौत और 15 लोग घायल हुए।

पंजाब सरकार को करना होगा पेंशनरों को बकाया भुगतान

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब के हजारों पेंशनरों को बड़ी राहत देते हुए राज्य सरकार को लंबित संशोधित पेंशन और महंगाई भत्ता (डीए) का बकाया भुगतान करने का आदेश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह लाभ केवल याचिकाकर्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सभी योग्य पेंशनरों को दिया जाएगा। हाई कोर्ट ने पंजाब के मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि तीन महीने के अंदर आदेश के पालन की रिपोर्ट जिम्मेदार अधिकारी के हलफनामे के साथ अदालत में पेश की जाए। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि आदेश के पालन में कोई ढिलाई बरती गई तो प्रभावित पेंशनर हाई कोर्ट के हुक्मों की अवहेलना की कार्रवाई के लिए फिर से अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

homefirst
We'll take you home

Home First Finance Company India Limited

CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 18003008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट- IV-ए {नियम 8 (6)}
के परतुंक को देखें
अंचल संपत्तियों के विक्रय हेतु बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के साथ पठित

एतद्द्वारा आम जनता और विशेष रूप से स्तंभ (ii) में वर्णित ऋणधारक (ओं) और सह–ऋणधारक (ओं) को सूचित किया जाता है कि स्तंभ (iii) में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्तियां, सुरक्षित ऋणदाता के पास गिरवी/बंधक हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा इसके बकाया और ब्याज की वसूली के लिए ले लिया गया है, जैसा कि नीचे विवरण दिया गया है। और चूंकि बकाया चुकाने में विफलता के परिणामस्वरूप, अधोहस्ताक्षरी उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए उक्त संपत्तियों की बिक्री द्वारा बकाया वसूलने का प्रस्ताव करता है और इसे ''जैसा है जहां है'', ''जैसा है वैसा ही'' और '' जो कुछ भी है'' के आधार पर बेचा जाएगा। नीचे वर्णित है। यह नीलामी ''ऑनलाइन'' आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता(ओं) और सह–उधारकर्ता(ओं) से देय राशि की वसूली करना है।

क्र. सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि और समय	प्राधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	दिनेश कुमार भारद्वाज, रेखा बाई भारद्वाज	खसरा नं.-2318/8, व 2318/14, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं.गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-का प्लॉट।	04-12-2025	12,89,539	05-02-2026	88,000	8,800	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
2.	पीताम्बर दास, पुष्पा मानिकपुरी,	खसरा नं.-248/32, प.ह.नं. 41, म.नं.-06, प्लॉट नंबर-24, शीट नंबर-14, मौजा ग्राम सैदा, तह.-सकरी व जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लाट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	04-12-2025	9,97,936	05-02-2026	2,32,000	23,200	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
3.	नरेंद्र दास मानिकपुरी, दुर्गा मानिकपुरी,	ख.नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा-कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-सरकारी भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट	04-12-2025	7,89,683	05-02-2026	42,500	4,250	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
4.	हरिश्चंद्र अमृत सिंह, फुलेश्वरी अमृत सिंह, अमृत सिंह	खसरा नंबर 360/1भाग, प.ह.नं. 09, ग्राम मुढ़ीपार, रा.नि.मं. बिल्हा, तहसील बिल्हा (नई बोदरी) जिला बिलासपुर (छ.ग..), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दीङ उत्तर-जगनाथ धुर की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड, पूर्व-कृष्णा भारती की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि।	04-12-2025	6,36,457	05-02-2026	1,00,000	10,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
5.	राहुल बघेल, चंचल बघेल,	केएच नंबर 360/1, प.ह.नं. 09, मौजा मुढ़ीपार, रा.नि.मं. - बिल्हा, तह. बिल्हा, जिला - बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड, पूर्व-निस्तारी रोड, पश्चिम- रामकुमार गंधर्व की भूमि	04-12-2025	6,01,386	05-02-2026	64,900	6,490	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
6.	आशीष कुमार बंजारे, मंजू बाई बंजारे,	ख.नं. 33/6,प.ह.नं.50, मौजा गनियारी, रा.नि.मं. -गनियारी, विकास खंड तखतपुर तह. सकरी व जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-बिल्लू की भूमि, पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता की भूमि।	04-12-2025	5,57,695	05-02-2026	56,200	5,620	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
7.	सरिता मानिकपुरी, साहेब दास	ख.नं. 47/5 का भाग, पटवारी हलका नंबर 41, ग्राम सैदा म.न.-06, राजस्व निरीक्षक अमसेना, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495004 चौहद्दी: उत्तर-20 फुट चौड़ी सड़क, दक्षिण-संतोष दुबे की भूमि, पूर्व-संतोष दुबे की भूमि एवं पश्चिम- विक्रेता की भूमि।	04-12-2025	5,83,648	05-02-2026	1,27,000	12,700	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
8.	धरम महिलांगे, खुशबू महिलांगे,	ख.नं. 147/1 (भाग), प.ह.नं. 42, शीट नं.-4, शिव मंडी के पास, मौजा मेंड्रा, तहसील सकरी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 का भाग पूर्व - 25 फुट प्रस्तावित सड़क, पश्चिम - निर्मलकर की भूमि, उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - तीजन बाई की भूमि ।	03-11-2025	22,79,366	06-01-2026	5,00,000	50,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
9.	देशराज अहिरवार, मंजू अहिरवार	ख.नं. 1704/3/के/2, प.ह.नं.53, प्लॉट संख्या 10, शीट नंबर 31, तुरकाडीह चौक के पास, मौजा निरतु, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व -20 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम -भोला श्रीवास की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण -विक्रेता की भूमि।	03-11-2025	12,70,987	06-01-2026	76,000	7,600	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
10.	मेघनाथ गोंड, पुष्पा मरावी	ख.नं. 1704/3/के/2 शीट नंबर 31, प्लॉट नंबर 10, प.ह.नं. 53, मौजा निरतु, तुरकाडीह चौक के पास, करहीपारा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001। चौहद्दी: पूर्व - 20 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम - भोला श्रीवास की भूमि, उत्तर - विक्रेता की भूमि और दक्षिण - आशीष टंडन की भूमि	03-11-2025	14,00,753	06-01-2026	74,000	7,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
11.	ओम प्रकाश केंवट, अघनिया बाई	ख नं 248/3(भाग), सैदा मं.नं. 06, प्लॉट नंबर-13/1, प.ह.न. 41, शीट नंबर-14, अमसेना बिलासपुर, तहसील-सकरी और जिला- बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-रामेश्वर सोनी का प्लाट, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण- दिनेश तिवारी का प्लाट।	03-11-2025	7,49,181	06-01-2026	1,20,000	12,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
12.	अमित कुमार जाटवर, पूजा जाटवर	ख नं.278, मौजा निरतु, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेंड्री विकास खंड, तह तखतपुर व जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लाट, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट	03-11-2025	10,85,350	06-01-2026	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
13.	ममता लाल वर्मा, रामरतन वर्मा, शुकवारा बाई वर्मा	ख.नं.-2302/4, मौजा चोरभट्टीकला, , प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-श्यामलाल का प्लाट, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	03-11-2025	10,10,059	06-01-2026	87,200	8,720	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
14.	सुदीप्त कुमार गणनायक, रोमलिन राउत	ख.नं.1704/6, मौजा निरतु, पह.नं. 53, प्लॉट नंबर-11/4, शीट नंबर-31, रा.नि.मं. पेंडारी, विकासखंड तखतपुर, तहसील सकरी, जिला, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-अन्य का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-11-2025	9,28,444	06-01-2026	80,000	8,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
15.	मनीष प्रजापति, संदीप प्रजापति, आधीनिया बाई प्रजापति	ख. नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा-कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-सरकारी भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	03-11-2025	8,48,933	06-01-2026	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
16.	जिज्ञासा नरेश कुमार गोंड, भगवती मरकाम	ख.नं.-957/1, प.ह.नं.05, मौजा कोटा, ख.नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा-कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लाट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	03-11-2025	8,18,107	06-01-2026	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
17.	लता बाई, राजू बघेल	ख.नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा-कोटा, विकास खंड, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रोड, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-रघु यादव की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड।	03-11-2025	8,89,091	06-01-2026	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
18.	रंजीता यादव, सुनील यादव,	ख.नं.957/1, प.ह.नं. 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छत्तीसगढ़), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व -अन्य की भूमि, पश्चिम म-निस्तारी रोड, उत्तर -रवि शंकर की भूमि व दक्षिण -राजेश की भूमि	03-11-2025	8,66,369	06-01-2026	50,550	5,055	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
19.	कोमल माधवानी, सुरेश माधवानी	ख.नं. 957/10, प.ह.न. 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छत्तीसगढ़), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - निस्तारी रोड, उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - निस्तारी रोड।	03-11-2025	8,79,698	06-01-2026	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
20.	आयुष कुमार, अनिता यादव	ख.नं. 360/1, मौजा - मुढ़ीपार, प.ह.न. 9, रा.नि.मं. - बिल्हा, तह. बिल्हा, जिला - बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: विक्रेता की भूमि, पश्चिम -विक्रेता की भूमि, उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड।	03-11-2025	8,27,467	06-01-2026	90,000	9,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
21.	राजेश कसेर ताम्रकार, पुष्पा ताम्रकार,	ख.नं. 360/1, मौजा - मुढ़ीपार, प.ह.न. 9, रा.नि.मं. - बिल्हा, तह - बिल्हा, जिला - बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - विक्रेता की भूमि, उत्तर - निस्तारी रोड, दक्षिण - दीपक राठौड़ की भूमि।	03-11-2025	9,36,851	06-01-2026	90,000	9,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
22.	नीलेश बंजारे, पूर्णिमा बंजारे	ख.नं. 217/1, मौजा उमरिया म.न.02, प.ह.न. 19, रा.नि.मं.- बिल्हा विकास खंड, तह. बिल्हा एवं जिला. बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-सड़क, दक्षिण-रामजीवन की भूमि।	03-11-2025	8,60,233	06-01-2026	1,00,300	10,030	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
23.	कृष्णा भारती, संतोष भारती, संतोषी बाई	ख.नं. 360/1भाग, प.ह.नं. 09, ग्राम मुढ़ीपार, रा.नि.मं.- बिल्हा, तहसील बिल्हा (नई बोदरी) जिला बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड।	03-11-2025	8,41,657	06-01-2026	90,000	9,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
24.	श्याम सुन्दर यादव, लता यादव, अक्ता यादव	ख.नं. 360/1, मौजा - मुढ़ीपार, प.ह.नं. 9, रा.नि.मं.- बिल्हा, तहसील - बिल्हा, जिला - बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व - राजेश ताम्रकार की भूमि, पश्चिम- विक्रेता की भूमि, उत्तर-निस्तारी रोड, दक्षिण- दीपक राठौड़ की भूमि।	03-11-2025	9,13,956	06-01-2026	90,000	9,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
25.	तिजिया साहू, बहरत लाल साहू	ख.नं. 360/1भाग, प.ह.नं. 09, ग्राम मुढ़ीपार, रा.नि.मं. बिल्हा, तहसील बिल्हा (नई बोदरी) जिला बिलासपुर (छ.ग..), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड।	03-11-2025	8,44,160	06-01-2026	80,000	8,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
26.	परदेशी कश्यप, रुखमणी बाई कश्यप	ख.नं. 360/1 भाग, मौजा - मुढ़ीपार, प.ह.नं. 9, रा.नि.मं.- बिल्हा, तह - बिल्हा, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रोड, पूर्व-भरत साहू की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की शेष भूमि।	03-11-2025	9,02,514	06-01-2026	90,000	9,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
27.	विकास सोनी, भुनेश्वरी सोनी	ख.नं. 360/1भाग, प.ह.नं. 09, ग्राम मुढ़ीपार, रा.नि.मं.- बिल्हा, तहसील बिल्हा (नई बोदरी) जिला बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: उत्तर-निस्तारी रोड दक्षिण-दीपक राठौड़ की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि।	03-11-2025	8,60,477	06-01-2026	80,000	8,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
28.	द्वारिका प्रसाद श्रीवास, सरिता श्रीवास,	ख.नं. 33/6, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं.-गनियारी, विकास खंड तखतपुर तह सकरी, एवं जिला. बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी:उत्तर-सुनील कोरी की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रोड	03-11-2025	9,49,508	06-01-2026	1,00,100	10,010	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
29.	दीपक तंबोली, अनिता तंबोली,	खसरा नंबर 47/5 का हिस्सा, पटवारी हलका नंबर 41, ग्राम सैदा मन.06, राजस्व निरीक्षक अमसेना, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495004 चौहद्दी:उत्तर-20 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण-संतोष दुबे की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-राजकुमती की भूमि।	03-11-2025	5,82,938	06-01-2026	1,32,600	13,260	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
30.	चुम्मन सिंह राजपूत, चंद्रकली राजपूत, अनिल कुमार चुम्मन वर्मा	व्यपर्तित आवासीय भूमि, शीट नंबर 3, भूखंड नंबर 42, खसरा नंबर 33/6 का भाग, (विक्रय अनुबंध क्षेत्रफल 1001 वर्ग फीट) पटवारी हल्का नंबर 50, ग्राम गनियारी, राजस्व निरीक्षक गनियारी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: उत्तर-द्वारिका श्रीवास की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, विक्रेता, पश्चिम-निस्तारी रास्ता।	03-11-2025	9,15,724	06-01-2026	1,00,100	10,010	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
31.	वीरेंद्र लहरे, सुनीता लहरे	खसरा नंबर-33/6, मौजा गनियारी, पहनं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, विकास खंड तखतपुर तह सकरी एवं जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: उत्तर- विक्रेता की शेष भूमि दक्षिण-बिल्लू की भूमि, पूर्व - आशीष और दुजेराम की भूमि, पश्चिम - सड़क।	03-11-2025	7,61,696	06-01-2026	84,600	8,460	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
32.	करण सिंह सिदार, शीला सिदार	प्लॉट-खसरा संख्या-89/2 (भाग), प.ह.नं.-24/43, रा.नि.मं.- सकरी, ब्लॉक-तखतपुर, तहसील-तखतपुर, ग्राम पंचायत घुरू, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व में विक्रेता की भूमि, पश्चिम -सड़क, उत्तर -विक्रेता की भूमि, दक्षिण -विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	18,58,061	08-12-2025	5,40,000	54,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
33.	अर्जुन बघेल, द्रोपती बघेल	मकान-मौजा जयराम नगर, प.ह.नं. 117/9 प.ह.नं. 27, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर - सड़क, दक्षिण - विक्रेता की भूमि, पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - पूजा फार्टी की भूमि।	03-10-2025	8,82,744	08-12-2025	5,22,000	52,200	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
34.	मुरारी साहू, सुशीला साहू, रूपेश साहू	प्लॉट-खसरा संख्या 248/32, प.ह.नं. 41, मौजा सैदा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। सीमाएँ: पूर्व - विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम - सड़क, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	15,39,604	08-12-2025	2,02,500	20,250	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
35.	राजकुमार घृतलहरे, नंदनी	फ्लैट-खसरा नंबर 278, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेंड्री विकास खंड, तहसील तखतपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। सीमाएँ: उत्तर -रामकुमार पटेल की भूमि, दक्षिण - विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व - विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम -सड़क।	03-10-2025	11,40,033	08-12-2025	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
36.	सुधीर राय, होरीलाल राय	फ्लैट-खसरा नं. 278, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेंड्री विकास खंड, तहसील तखतपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लाट, पश्चिम में निस्तारी रास्ता, उत्तर-राजकुमार पटेल का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	10,75,733	08-12-2025	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
37.	गौरव तिवारी, प्रेम लता तिवारी	मकान-खसरा नं.277/2, प.ह.नं. 30, प.ह.नं. 53 रा.नि.मं. पेंड्री विकास खंड, तहसील तखतपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व -राजकुमार का का प्लाट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - राजकुमार पटेल का प्लाट, दक्षिण - विक्रेता का प्लाट ।	03-10-2025	12,04,061	08-12-2025	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
38.	बाल कृष्ण बंजारे, बबली बंजारे	प्लॉट-खसरा नं. 102/7, मौजा छतौना, प.ह.नं. 37, रा.नि.म. अमसेना, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व -नहर, पश्चिम -सड़क, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	16,61,760	08-12-2025	6,12,150	61,215	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
39.	प्रदीप कुमार सोनी, शांति सोनी	मकान नं. 278/7, प.ह.नं.31, सर्कल सकरी, ब्लॉक तखतपुर, तहसील तखतपुर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: उत्तर -रामकुमार पटेल की भूमि, दक्षिण - प्रेम सिंह की भूमि, पूर्व - सड़क, पश्चिम - अन्य की भूमि।	03-10-2025	10,58,910	08-12-2025	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
40.	प्रद्युम्न कुमार चंद्रवंशी, भारती वर्मा	फ्लैट-खसरा नं. 2318/8, चोरभट्टीकला, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। सीमाएँ: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - सानिया साहू का प्लॉट, दक्षिण - मुख्य सड़क।	03-10-2025	9,94,654	08-12-2025	92,400	9,240	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
41.	मंजू वर्मा, ज्वाला कश्यप	मकान - खसरा नंबर 217/2 भाग, प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर - सड़क, दक्षिण - शिवनंदन एवं बृजनंदन की भूमि, पूर्व - विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम - विक्रेता की शेष भूमि।	03-10-2025	9,11,022	08-12-2025	1,00,500	10,050	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
42.	ऋषिकांत चंद्रवंशी, वर्षा चंद्रवंशी	मकान - खसरा नंबर 217/2 भाग, प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तहसील जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: उत्तर में सड़क, दक्षिण में शिवनंदन और बृजनंदन की भूमि, पूर्व -विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम -विक्रेता की शेष भूमि।	03-10-2025	10,00,200	08-12-2025	1,00,300	10,030	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
43.	रामभजन चंद्रवंशी, रानी चंद्रवंशी	मकान - खसरा क्रमांक 217/2 भाग, प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - बीरसिंह व अन्य का प्लॉट, पश्चिम - विक्रेता का प्लॉट,, उत्तर- निस्तारी रास्ता, दक्षिण - शिवनंदन और ब्रजनंदन का प्लॉट।	03-10-2025	9,42,308	08-12-2025	1,01,500	10,150	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
44.	नवीन कुमार सूर्यवंशी, केजऊ राम सूर्यवंशी	प्लॉट-ख.सं.-957/1, प.ह.नं.- 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छत्तीसगढ़), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495113 चौहद्दी: पूर्व- सरकारी भूमि, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - रविशंकर का प्लॉट।	03-10-2025	9,48,435	08-12-2025	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
45.	रामशौक रजक, गोविंद राम निर्मलकर	मकान-ख.सं.-957/1, प.हनं.- 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छत्तीसगढ़), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - सरकारी भूमि, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण में - विक्रेता का प्लॉट।	03-10-2025	7,98,286	08-12-2025	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
46.	राम चन्द्र निषाद, सतरूपा निषाद	मकान-ख. नं. 957/1, प.ह.नं. 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छत्तीसगढ़), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495006 चौहद्दी: पूर्व -बौछार कुरैशी की भूमि, पश्चिम - 25 फुट चौड़ी सड़क, उत्तर -जिज्ञासा की भूमि, दक्षिण -राजेश की भूमि।	03-10-2025	9,06,571	08-12-2025	51,500	5,150	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
47.	रघु कुमार यादव, पुष्पा यादव	मकान नं. 957/1, प.ह.नं. 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छत्तीसगढ़), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण - विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व - सड़क, पश्चिम -विक्रेता की शेष भूमि।	03-10-2025	7,97,526	08-12-2025	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
48.	रोशन पांडे, देवराज पांडे	प्लॉट नं. 957/1, प.ह.नं. 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छत्तीसगढ़), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर- राहुल गौर की भूमि, दक्षिण - सेवक दास की भूमि, पूर्व- अन्य की भूमि, पश्चिम - सड़क।	03-10-2025	5,39,811	08-12-2025	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
49.	राहुल यादव, दीपा यादव	प्लॉट-ख.नं.-957/1, प.ह.नं.- 5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495113 चौहद्दी: पूर्व- विक्रेता की भूमि, पश्चिम - निस्तारी रोड, उत्तर -विक्रेता की भूमि, दक्षिण -विक्रेता की भूमि।	03-10-2025	8,44,343	08-12-2025	51,250	5,125	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
50.	राम कुमार ताम्रकार, मोनिका ताम्रकार	प्लॉट-ख.नं-957/10, प.ह.नं.- -5, मौजा - कोटा, तहसील - कोटा, जिला - बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व -विक्रेता की भूमि, पश्चिम - विक्रेता की भूमि, उत्तर - विक्रेता की भूमि, दक्षिण - निस्तारी रोड।	03-10-2025	8,96,422	08-12-2025	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
51.	सुधीर ताम्रकार, सिंकी ताम्रकार	प्लॉट-ख.नं. -957/10, प.ह.नं.-5, मौजा-अमने, तहसील-कोटा, रा.नि.मं. कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - राम ताम्रकार की भूमि, पश्चिम - विक्रेता की भूमि, उत्तर- विक्रेता की भूमि, दक्षिण - निस्तारी रोड।	03-10-2025	9,09,467	08-12-2025	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
52.	गणेश कुमार कैवर्त, राधा कैवर्त	प्लॉट-खसरा नंबर 47/3, मौजा-सैदा, प.ह.नं.- 24/41, रा.नि.मं.-सकरी, तहसील-सकरी, जिला-बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: उत्तर - दीपक सोनी की भूमि, दक्षिण - 20 फीट चौड़ी सड़क, पूर्व - शेष भूमि, पश्चिम - रामविल पोपचे की भूमि।	03-10-2025	7,79,952	08-12-2025	1,59,000	15,900	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
53.	संजय निर्मलकर, यमुना संजय निर्मलकर	प्लॉट-खसरा नं.360/1 भाग, प.ह.नं. 09, ग्राम मुढ़ीपारा, रा.नि.मं. बिल्हा, तहसील बिल्हा (नई बोदरी), जिला-बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर- निस्तारी रोड, दक्षिण - दीपक राठौर की भूमि, पूर्व -श्याम सुंदर की भूमि, पश्चिम - भोजराम की भूमि।	03-10-2025	8,59,630	08-12-2025	1,00,000	10,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
54.	आदित्य साहू, अजय साहू	फ्लैट-ख.नं. - 290/7 (भाग), प.ह.नं. 45, मौजा सकरी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर - 39.4 फीट विक्रेता की शेष भूमि दक्षिण - विक्रेता की 43.11 फीट शेष भूमि , पूर्व - कार्तिक यादव की 25.5 फीट भूमि, पश्चिम - 25 फीट का मार्ग।	03-09-2025	10,21,405	06-11-2025	5,20,500	52,050	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
55.	श्रीकांत सोनी, पूजा सोनी	फ्लैट-ख.नं. - 278, प.ह.नं. 53, मौजा निरतु, रा.नि.मं. पेंड्री विकास खंड, तहसील तखतपुर, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - निस्तारी रास्ता, पश्चिम - विक्रेता का प्लॉट, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट, ।	03-09-2025	10,89,882	06-11-2025	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
56.	भुवन यादव, शैल यादव, लच्छीराम यादव	फ्लैट-2318/8, 2318/14, मौजा चोरभट्टीकला, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम -निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-09-2025	10,96,827	06-11-2025	88,000	8,800	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
57.	कमल कुमार यादव, सरिता यादव	मकान-ख.न. 2318/8 का भाग, मौजा मौजा चोरभट्टीकला, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर - विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण - विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व - वीरेंद्र कौशिक की भूमि, पश्चिम - सड़क।	03-09-2025	10,90,001	06-11-2025	88,000	8,800	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
58.	पूजा वस्त्रकार, जीतेन्द्र कुमार वस्त्रकार	मकान-ख.नं. 278, प.ह.नं. 30, मौजा निरतु, मौजा निरतु, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेंड्री विकास खंड, तह तखतपुर और जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - अन्य का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - प्रेमलता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-09-2025	10,52,771	06-11-2025	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
59.	बाल्मिक द्विवेदी, दुर्गा द्विवेदी	मकान-ख.नं. 278, प.ह.नं. 30, मौजा निरतु, मौजा निरतु, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेंड्री विकास खंड, तह तखतपुर व जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी- पूर्व -निस्तारी रास्ता, पश्चिम -अन्य का प्लॉट, उत्तर-प्रेमसिंह का प्लॉट, दक्षिण-निस्तारी रास्ता।	03-09-2025	10,73,977	06-11-2025	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
60.	रणधीर कुमार हिरवानी, सबिता	मकान-2318/8, मौजा चोरभट्टीकला, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी-उत्तर- सड़क, दक्षिण- कमल कुमार की भूमि, पूर्व- वीरेंद्र कौशिक की भूमि, पश्चिम - सड़क।	03-09-2025	10,62,831	06-11-2025	88,000	8,800	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
61.	दुर्गा प्रसाद केवट, आरती केवट	मकान-मौजा चोरभट्टीकला, ख नं.-2302/4, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह.-सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - श्यामलाल का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - सेलर्स प्लॉट, दक्षिण- निस्तारी रास्ता।	03-09-2025	10,59,927	06-11-2025	87,200	8,720	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533

संजय के दीक्षित

तरकश

शराब, अफीम और जिस्म का कारोबार

हालांकि, दुर्ग के फार्म हाउस में अफीम कांड के बाद सरकार के निर्देश पर कलेक्टरों ने अपने जिलों के फार्म हाउसों की जांच-पड़ताल शुरू करा दी है। मगर यह भी सही है कि सूबे के फार्म हाउस तमाम धतकरमों के अड्डे बन गए हैं। छत्तीसगढ़ में करीब एक हजार से अधिक फार्म हाउस होंगे। आपको यह जानकर ताज्जुब होगा कि अधिकांश फार्म हाउस कृषि के नाम पर सरकार को लगान दे रहे और शराब, ड्रग और जिस्म के धंधे से लाखों, करोड़ों रुपए पीट रहे हैं। नियमानुसार फार्म हाउस के कुल रकबा के 10 परसेंट से अधिक निर्माण नहीं किया जा सकता। मगर शहर से लगे अधिकांश फार्म हाउसों में बड़ी संख्या में कमरे, हॉल, लॉन, स्वीमिंग पुल बना डाले हैं। शादियों की सीजन में शादी बाकी समय जमकर ऐय्याशी होती है। इन अड्डों पर जाने की न पुलिस हिमाकत कर पाती और न कोई सरकारी मुलाजिम। या तो उनका महीना बांध दिया जाता है या फिर किसी पॉलिटिशियन के नाम पर चमका दिया जाता है। जाहिर है, किसी नेता का नाम आ गया तो फिर छत्तीसगढ़ पुलिस की इतनी हिम्मत कहां? बहरहाल, सरकार का इससे राजस्व का बड़ा नुकसान हो रहा। कृषि जमीन के नाम पर लगान दे रहे कौड़ियों में और कमा रहे करोड़ों में।

अफसरों की हालत खराब

दुर्ग और बलरामपुर में अफीम की खेती पकड़े जाने के बाद छत्तीसगढ़ के आईएएस, आईपीएस के हालत खराब हुए जा रहे हैं। खासकर, रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा, धमतरी, बिलासपुर, जांजगीर तक आईएएस अधिकारियों के फार्म हाउस हैं। एक कथित तौर पर साफ-सुथरी छबि वाले आईएएस अधिकारी जांजगीर कलेक्टर रहते शिवरीनारायण के पास 40 एकड़ जमीन खरीद डाली। उसे किसी किसान को अधिया में दिया है। अब वो किसान उसमें क्या उपजा रहा...अफसर को चिंता होगी ही। ऐसे न जाने कितने फार्म हाउस नौकरशाहों के हैं। अफीम कांड के बाद अफसर खुद ही जाकर अब अपने फार्म हाउस का मुआयना कर रहे हैं।

धान 20 रुपए, अफीम 50 हजार रुपए किलो?

अफीम का रेट जानकार आप चौंक जाएंगे। पहले ये आपको बता दें कि अफीम के तीन पार्ट होते हैं और तीनों बेशकीमती। अफीम के फल के छिलके से डोडा बनता है, वह 20 हजार रुपए किलो बिकता है। आमतौर पर ट्रक ड्राईवर इसे खाते हैं, इसमें ऐसा नशा होता है, जिसमें खुमारी तो होती है मगर नींद नहीं आती। दूसरा, अफीम के फल को सूखाकर खसखस बनाया जाता है, इसका रेट करीब 2000 रुपए किलो होता है। तीसरा, अफीम के फल में चीरा लगाकर उसका बूंद-बूंद टपकते दूध को एकत्र किया जाता है। इसे सूखाकर अफीम बनाया जाता है। इसकी कीमत करीब 50 हजार रुपए किलो है। और इस अफीम को प्यूरीफाई कर हेरोईन बनता है, जो बाजार में दो करोड़ रुपए किलो बिकता है। बहरहाल, आप अब समझ गए होंगे कि छत्तीसगढ़ को उड़ता पंजाब बनाने की कोशिश क्यों की जा रही है।

बीजेपी नेता पर पहली कार्रवाई

अफीम कांड में सरकार ने पहली बार कड़ा स्टैंड लिया। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री दोनों ने दुर्ग पुलिस को फ्री हैंड दिया और बीजेपी नेता को सींखचों के पीछे पहुंचा दिया गया। हालांकि, पुलिस पर प्रेशर कम नहीं था। संगठन से लेकर संघ से पुलिस के पास दनादन फोन आ रहे थे। मगर पुलिस एक न सुनी। अफीम के मसले पर विपक्ष भले ही सरकार को आड़े हाथ ले रहा, मगर बीजेपी नेता की गिरफ्तारी से सरकार ने कैडर को एक बड़ा संदेश दिया है। भाजपा की सेहत के लिए यह इसलिए भी जरूरी था कि कांग्रेस के पांच साल के शासन के बाद देखादेखी बीजेपी का कैडर भी निरंकुश हो गया है। सरकार बनने के बाद प्रदेश में ऐसे अनेक मामले आए, जिसमें बीजेपी के नेताओं ने कार्रवाई नहीं होने दी। हमारी सरकार...बोल पुलिस के हाथ कस दिए जाते हैं। कुछ विधायकों को भी आईना दिखाने की जरूरत है। उनके आचरण इतना बिगड़ गया है कि बीजेपी जैसी संस्कारित पार्टी से मेल नहीं खाता। भूमाफिया की तरह जमीन कब्जाने और गुंडे पालने जैसे काम भी हो रहे हैं। चलिये सरकार ने दमदारी दिखाई है, इससे निश्चित तौर पर बेलगाम कार्यकर्ताओं को विधायकों पर असर पड़ेगा।

कलेक्टरों की आंखों पर पट्टी?

दुर्ग और बलरामपुर जिले में अफीम की खेती का भंडाफोड़ हुआ है, वह राजस्व सिस्टम का फेल्योरनेस है। इन जिलों के पटवारी अगर गिरदावरी रिपोर्ट से पहले अगर मौके पर पहुंच का खेतों का जायजा लिया होता तो सरकार को बगले झांकना नहीं पड़ता। दरअसल, पटवारियों की ये समस्या सिर्फ दुर्ग और बलरामपुर का नहीं, अमूमन सभी जिलों का कमोवेश यही हाल है। पटवारी खुद से वेतन देकर दो-दो, तीन-तीन एजेंट रख लेते हैं और एजेंट जो बोलते हैं, पटवारी सील-ठप्पा लगाकर उसे कलेक्टर को सौंप देते हैं। कायदे से कलेक्टरों को पटवारियों को टाईट करना चाहिए क्योंकि पटवारियों के नियोक्ता कलेक्टर होते हैं। मगर कलेक्टर आंखों पर पट्टी बांध लेंगे तो फिर वही होगा, जो इस समय हो रहा है। चीफ सिकरेट्री और पीएस टू सीएम ने वर्किंग कल्चर के लिए बायोमेट्रिक अटेंडेंस और ई-ऑफिस चालू कर दिया मगर पटवारी राज के खात्मे के लिए भी कोई आईडिया निकालना चाहिए।

कलेक्टरेट और बीजेपी का गड्ढा

अविभाजित जांजगीर जिला यानी जांजगीर और सक्ती छत्तीसगढ़ बीजेपी का सबसे बड़ा गड्ढा है। वहां पार्टी को एक अदद सीट नसीब नहीं हुई। इन जिलों के रेवेन्यू अफसर पार्टी की और खटिया खड़ी करने में लगे हैं। सक्ती में आदिवासियों की जमीन भूमाफियाओं को दो-दो मामला होने के बाद भी बड़े प्रशासनिक अफसरों पर कार्रवाई नहीं होने पर उससे जांजगीर जिले के अफसरों का भी हौसला बढ़ गया। नैला स्टेशन की साइडिंग के ठीक सामने एक कोयला कारोबारी को एसडीएम ने कोटवारी जमीन का डायवर्सन कर दिया। पटवारी ने अपने रिपोर्ट में ये भी नहीं बताया कि कोयला कारोबारी की जमीन तक पहुंचने के लिए कोई रास्ता नहीं है। मौके के पास ढाई एकड़ का तालाब है और पास में बस्ती भी। मगर जांजगीर कलेक्ट्रेट के अफसरों के लिए सबसे बड़ा रुपैया है। आसपास के लोगों और सरपंचों की शिकायत और नाराजगी को अनसूनी करते हुए कोल कारोबारी को कोटवारी भूमि का नामंतरण कर दिया गया। दरअसल, खटराल अफसरों का हौसला इसलिए बढ़ रहा कि कार्रवाइयों के मामलों में सिस्टम ज्यादा संवेदनशील हो जाता है। जब मालूम है कि जांजगीर इलाका सत्ताधारी पार्टी के लिए मुफीद नहीं तो ऐसे में अफसरों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। मगर एप्रोच कोटे में गए जिला प्रशासन के अफसरों का क्या? मालूम है, कलेक्ट्रेट में आखिरी पोस्टिंग है, इसलिए सरकार और सत्ताधारी पार्टी की सेहत से उन्हें क्या वास्ता?

मंत्रिमंडल की सर्जरी

इस खबर में कितनी सत्यता है, ये तो वक्त बताएगा...बीजेपी के अंदरखाने में ये चर्चा बड़ी तेज है कि मई में मंत्रिमंडल की बड़ी सर्जरी हो सकती है। उसमें मुख्यमंत्री को छोड़ सभी 12 मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए जाएंगे। फिर नए सिरे से मंत्रिमंडल का गठन किया जाएगा और विभागों का बंटवारा भी। जाहिर सी बात है, और बीजेपी के लोग भी स्वीकार करते हैं कि विष्णुदेव की इस टीम से तो 2018 में पार्टी की नैया पार नहीं लग पाएगी। खबरों की माने तो 12 में से चार-से-पांच मंत्रियों की छुट्टी होगी। इनमें से कुछ ऐसे मंत्री भी शामिल हैं, जो रमन सिंह की टीम में काम कर चुके हैं मगर इस समय मैदान में खेलने की बजाए पेवेलियन में बैठ सिर्फ ताली बजा रहे हैं। कई मंत्रियों के विभाग भी बदलेंगे तो कुछ का लोड भी हल्का किया जाएगा। मई में सर्जरी की चर्चा इसलिए हो रही कि तब तक सरकार का ढाई साल हो जाएगा। यानी इंटरवल। इसके बाद सिस्टम के पास काम करने के लिए सिर्फ डेढ़ साल बचेंगे। क्योंकि, चुनावी साल में कोई काम होता नहीं। 2028 में जनवरी से ही सरकारें इलेक्शन मोड में आ जाती हैं। अगर मई में मंत्रिपरिषद की रिसफल हो गया फिर तो कई मंत्रियों के लिए यह आखिरी विधानसभा का सत्र होगा। क्योंकि, मानसून सत्र अब जुलाई में आहूत होगा। रही बात किस मंत्री की विदाई होगी तो बीजेपी की राजनीति में कोई दावे के साथ कुछ कह नहीं सकता। आखिर भला कौन जानता था कि धर्मेंद्र प्रधान पछाड़ खा जाएंगे और नितिन नबीन का नाम राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए सामने आ जाएगा। और बात नितिन नबीन की आई तो छत्तीसगढ़ के बारे में उनसे भला क्या छिपा हुआ है। कैडर के साथ उनका कनेक्शन इतना जबर्दस्त है कि पार्षद और उसके नीचे लेवल के बीजेपी कार्यकर्ता भी उनसे सीधे जुड़े हुए हैं। कहने का आशय यह है कि कौन मंत्री किस लेवल पर गुल खिला रहा, नितिन नबीन के पास पूरा अपडेट है। इसलिए जो भी होगा चौंकाने वाला होगा।

होली में गुलजार

होली के अगले दिन किसी भी स्टेट में छुट्टी नहीं रहती। मगर छत्तीसगढ़ में दशकों से यह परंपरा चली आ रही थी कि ऑफिस का दरवाजा तो खुलता था, मगर कोई स्टाफ नहीं पहुंचत था। भृत्यों के नहीं आने पर कई ऑफिसों के ताले भी नहीं खुलते थे। मगर राज्य सरकार ने बायोमेट्रिक अटेंडेंस का ऐसा सिस्टम लगाया कि होली के दूसरो दिन ऑफिस गुलजार रहे। मंत्रालय छोड़ बाकी जगहों पर भले ही कोई खास कामकाज नहीं हुआ होगा मगर उपस्थिति बराबर रही। वर्किंग कल्चर की दिशा में सरकार की यह बड़ी सफलता रही।

सिकेट्री से मिलना कठिन नहीं

आम आदमी के लिए पहले मंत्रालय में बड़े अफसरों से मिलना बड़ा कठिन टास्क होता था। एक तो पूरे हफ्ते अफसर आते नहीं थे और आए भी दोपहर को और अपरान्ह होते ही जाने की तैयारी। जिसकी मीटिंग होती थी, वहीं टाईम पर आता और जाता था। वरना, तो राम-राम। मगर जब से बायोमेट्रिक अटेंडेंस हुआ है, मंत्रालय में साढ़े 10 बजे तक 90 परसेंट अफसर पहुंच जाते हैं। फिर साढ़े पांच बजे से पहले हिलना नहीं है। उपर से अब पुराने विधानसभा का बहाना भी नहीं। बगल में विधानसभा है। नहीं तो विधानसभा सत्रों के दौरान तो अफसरों के मौज होते थे। मगर अब आदमी दिन भर बैठेगा तो कुछ-न-कुछ काम करबे करेगा। अब तो कई अधिकारियों ने अपने पीए को कह दिया है, जिसको भी मिलना हो, भेजते जाओ। अभी की स्थिति यह है कि दो-तीन परसेंट अति अभिमानी अफसरों को छोड़ दें तो लगभग सभी काम में लग गए हैं, लोगों से मिलजुल भी रहे हैं।

पीए, स्टेनो बेरोजगार

एक वो भी जमाना था, जब बड़े अफसरों के पीए, स्टेनो बनने के लिए कर्मचारी लालायित रहते थे। मगर सरकार ने ई-ऑफिस शुरू कर पीए और स्टेनों के पेट पर बड़ी चोट कर डाली। पहले जितने कद्दावर अफसर होते थे, उनके पीए का उतना ही जलवा होता था। फाइलों की जानकारी देना या उसे आगे बढ़ाना...किस फाइल को दबाना है और किस फाइल को वंदे भारत एक्सप्रेस की तरह दौड़ाना, सबकी कीमत तय थी। मगर ई-ऑफिस ने ऐसा बेड़ा गर्क किया कि अब प्रति फाइल के पीछे नजराना मिलना तो छोड़िये होली-दिवाली में गिफ्ट मिलना मुश्किल हो जाएगा। क्योंकि, फाइलें अब सीधे अफसरों के पास पहुंच जा रही। वर्तमान सिस्टम में सिर्फ जो बाबू नोटशीट बढ़ाता है, उसे सिर्फ इतना पता रहता है कि फलां फाइल किस अफसर के पास है, मगर उसमें नोटिंग क्या है, इस बारे में वह कुछ नहीं बता सकता। कुल मिलाकर कहा जाए तो पीए और स्टेनो का काम अब साहब के लिए मीटिंग का फोल्डर बनाना, चाय-नाश्ते का इंतजाम करना और पब्लिक से मिलवाना बच गया है।

नौकरशाहों में खलबली

बीजेपी लीगल सेल के अ-संतुष्ट नेता ने चीफ सेकेट्री विकास शील से 27 पन्नों की ऐसी गंभीर शिकायत की है कि नौकरशाही हिल गई है। कंप्लेन में दो पूर्व मुख्य सचिव समेत कई अफसरों के नाम हैं। असल में, ब्यूरोक्रेसी भी अपनी अड़ी में रहती है, वरना PSC में मेंबर के दो पद खाली हैं, तीसरा खाली होने वाला है। नीति आयोग में भी मेम्बर की एक वैकेंसी है। सरकार को बोल-बालकर नेताजी को एडजस्ट कराना चाहिए। वरना, दिक्कतें बढ़ती जाएंगी।

आईएएस को अभयदान!

पटवारी से आरआई प्रमोशन स्कैम में एसीबी ने कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मगर चालान में इस घोटाले का मास्टरमाइंड तक एसीबी पहुंचने की कोशिश नहीं की। हालांकि, एक एसीबी ने एक आईएएस से पूछताछ के लिए जीएडी से अनुमति मांगी थी। अनुमति मिली कि नहीं, इस पर कोई मुंह खोलने तैयार नहीं। हालांकि, 1300 पेज के चालान में एसीबी ने इस बात का जिक्र अवश्य किया है कि अतिविशिष्ट लोगों के यहां पर्चा सेट हुआ और उत्तरपुस्तिकाएं तैयार की गई। मगर मिलियन डॉलर का सवाल यह है कि एसीबी के हाथ आईएएस तक क्यों नहीं पहुंच पाए।

अजब संयोग

रिटायर आईएएस गणेश शंकर मिश्रा को राज्य सरकार ने नीति आयोग का उपाध्यक्ष अपाइंट किया है। नौकरी से रिटायरमेंट के बाद गणेश शंकर ने जब बीजेपी ज्वाईन किया था, तब विष्णुदेव साय पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। इस नाते उन्होंने ही गणेश शंकर को पार्टी में प्रवेश कराया था। अब जब पार्टी में प्रवेश कराने वाले ही राज्य सरकार के मुखिया बन गए तो फिर इतना तो बनता ही था कि गणेश शंकर को सम्मानजनक कुर्सी मिल जाए। विष्णुदेव साय ने गणेश शंकर को उस आयोग का उपाध्यक्ष बनाया, जिसके वे खुद अध्यक्ष हैं। यही नहीं, उनकी ताजपोशी के समय खुद मौजूद रहे। चलिये, ये सब वक्त और संयोग की बात है। गणेश शंकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह के काफी नजदीक रहे। मगर रिटायरमेंट के बाद 2017 में उन्हें अल्पज्ञात सहकारिता निर्वाचन का कमिश्नर बनाया गया था। मगर अब जो कुर्सी मिली है, वह चीफ सिकरेट्री के समकक्ष है। उनसे पहले जितने भी लोग नीति आयोग के उपाध्यक्ष बने हैं, वे या तो चीफ सिकरेट्री रहे हैं या फिर एक्स चीफ सिकरेट्री। हालांकि, गणेश शंकर की नियुक्ति के बाद जिन लोगों ने विष्णुदेव साय के हाथों उनके पार्टी अध्यक्ष रहते बीजेपी ज्वाईन किया होगा, उनकी उम्मीदें बढ़ गई होंगी।

अच्छी खबर

छत्तीसगढ़ के लिए अच्छी खबर है, राज्य बनने के 25 साल बाद रायपुर मेडिकल कॉलेज में DM की पढ़ाई होगी। NMC ने अम्बेडकर हॉस्पिटल के एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट को 2 सीट की हरी झंडी दे दी है। मध्यप्रदेश के भोपाल और इंदौर मेडिकल कॉलेज में DM की पढ़ाई होती है। मगर छत्तीसगढ़ में चना-मुर्रा की तरह कॉलेज खुलते गए मगर क्वालिटी एजुकेशन न होने से NMC ने DM कोर्स की मंजूरी नहीं दी। ACI के हेड डॉ. स्मृति श्रीवास्तव को इसका क्रेडिट जाना चाहिए, वे दो साल से लगातार इसके लिए प्रयासरत थे। ACI को स्थापित करने में उन्हीं का एफर्ट रहा है।

आखिरी बात हौले से

1835 में जन्मे अमेरिका के महान लेखक और हास्य कलाकार सैम्यूअल लैंघोर्न क्लेमेन्स उर्फ मार्क ट्वेन 150 साल पहले कहा था...राजनीति मात्र ऐसा पेशा है, जहां चोरी कर सकते हैं, झूठ बोल सकते हैं, घोखा दे सकते हैं, फिर भी सम्मानित हो सकते हैं।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव और पाठ्य पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पांडेय के बीच कितने दिनों से बात नहीं हुई है?

2. छत्तीसगढ़ में किन-किन मंत्रियों की मंत्रिमंडल से विदाई हो सकती है?

प्रथम पृष्ठ का शेष

"कमर्शियल सिलेंडर नहीं...

यहीं कहा कि ब्लैक में मिलना भी नामुमकिन है क्योंकि कामर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक ही खत्म हो गया है, जो कुछ बचे हैं वह सिर्फ इमरजेंसी सेवा एवं सरकारी कार्यालयों के लिए बचे हैं। हालांकि इस पड़ताल में एजेंसियों में घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक होने की जानकारी मिली। ज्यादातर एजेंसियों में बुकिंग के अनुसार ही सिलेंडर दिए जा रहे हैं, लेकिन कुछ एजेंसियों में कुछेक कर्मचारी दोगुना कीमत पर सिलेंडर ब्लैक में देने के लिए भी हामी भरी, लेकिन इसके लिए भी एक से दो दिन का समय उनके द्वारा मांगा गया। हरिभूमि के रिपोर्टर लक्ष्मण लेखवानी, गिरिश केशरवानी, विकास शर्मा, प्रदीप शर्मा, ललित राठौर, लवकुश शुक्ला शहर के अलग-अलग इलाकों में विभिन्न कंपनियों के गैस एजेंसियों के दफ्तर और गोदाम पहुंचकर घरेलू और कामर्शियल गैस सिलेंडरों के स्टॉक से लेकर ब्लैक में लेने के लिए एजेंसी में कार्यरत कर्मचारियों से बातचीत की। इस बातचीत में कर्मचारियों ने रिपोर्टर को ग्राहक समझकर स्टॉक से लेकर ब्लैक में सिलेंडर मिलेगा या नहीं। मिलेगा तो किस कीमत पर मिलेगा। इसकी उनके द्वारा जानकारी दी गई। **कैटरिंग के काम या तो मंद या बंद-** कामर्शियल गैस सिलेंडरों का स्टॉक खत्म होने का असर होटल, रेस्टोरेंट के अलावा कैटरिंग का काम करने वालों पर भी पड़ा है। शादी-ब्याह, जन्मदिन, छट्ठी सहित अन्य समारोह में कैटरिंग का आर्डर लेने वाले संचालकों ने अब या तो ऑर्डर लेना बंद कर दिया है या फिर अपना काम ही बंद कर दिया है। कैटरर अतुल कक्कड़ ने बताया कि गैस सिलेंडर नहीं मिलने से उसने बुकिंग लेना बंद कर दिया। शादी और जन्मदिन पार्टी के लिए 5 ऑर्डर आए थे, उसे भी कैंसिल करना पड़ा। कैटरर अरूण नायक ने बताया कि शादी का एक ऑर्डर आया है, लेकिन गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, इसलिए अब वह लकड़ी से से खाना बनाने पर विचार कर रहा हैं। कैटरर दिलीप यदू ने बताया कि जब से सिलेंडर मिलना बंद हो गया है, उसने कैटरिंग का काम ही बंद कर दिया है। **लकड़ी, कोयला की इतनी कीमत-** वन विभाग में सरकारी दर पर जलाऊ लकड़ी चट्टा की कीमत साढ़े तीन हजार रुपए है। एक चट्टा में चार क्विंटल के करीब लकड़ी होती है। खुले बाजार में जलाऊ लकड़ी की कीमत डेढ़ से दो हजार रुपए क्विंटल है। वन विभाग के निस्तार डिपो से लकड़ी टॉल के साथ रोलिंग मिल मालिकों को इमारती के साथ जलाऊ लकड़ी बेचे जाने का प्रावधान है। वहां कारोबारी नीलामी के माध्यम से लकड़ी खरीदते हैं। कोयला बाजार में 50 रुपए किलो के करीब बिक रहा है।

दूसरे जिलों की...

हुआ है। महासमुंद में सांई श्याम एजेंसी, गौरव गैस एजेंसी। बीजापुर में आदिम जाति गैस एजेंसी, विजय लक्ष्मी गैस एजेंसी, गो गैस एजेंसी, मद्देड़ गैस एजेंसी, शिव शक्ति ग्रामीण एजेंसी। बस्तर जिला में इंडियन गैस एजेंसी कुम्हारपारा, इंडियन गैस एजेंसी प्रतापदेव वार्ड, साईं गैस एजेंसी, भारत गैस एजेंसी, गो गैस एजेंसी। कहीं पर भी कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिला। सभी जगह कहा गया कि या तो लकड़ी का इंतजाम करें या डेट आगे बढ़ा दें।

हरिभूमि और...

एवं गणमान्य जन शामिल होंगे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिले के विकास में कारगर हो रही योजनाएं और विकास कार्यों, व समस्याओं पर विस्तार से मंथन होगा।

जानिए...आम की...

आंध्रप्रदेश के आम अपने राज्य छत्तीसगढ़ के साथ पूरे देश में बिकने लगेंगे। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक इस बार पूरे देश में आम की बफर फसल की संभावना है। ऐसे में इसके दाम भी कम रहेंगे। आम की खेती और उत्पादन के मामले में उप्र देश में पहले नंबर पर है। इसके बाद आंध्रप्रदेश और फिर बिहार का नंबर आता है। छत्तीसगढ़ टॉप टेन में भी नहीं है। यहां पर आम का उत्पादन बहुत कम होता है। उत्तर प्रदेश और आंध्रप्रदेश के आम की डिमांड देशभर में रहती है। सबसे ज्यादा बिकने वाला बैगनपल्ली, तोतापुरी और नीलम आम आंध्र प्रदेश से ही आता है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश का दशहरी आम हर राज्य में पसंद किया जाता है।

ईरान में सबसे...

स्थित ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया। खार्ग द्वीप पर ईरान के तेल निर्यात का मुख्य टर्मिनल है। ईरान ने कहा था कि यदि ऐसा हमला किया गया तो उसकी ओर से और भी बड़े स्तर की जवाबी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान के साथ युद्ध के लगभग दो सप्ताह बाद पश्चिम एशिया में 2,500 और मरीन एवं एक युद्धपोत भेजा जा रहा है। ईरान इजराइल और पड़ोसी खाड़ी देशों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हुए है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को प्रभावी रूप से बंद कर दिया है जिससे दुनिया के तेल व्यापार का पांचवां हिस्सा गुजरता है। वहीं, अमेरिकी और इजराइली युद्धक विमान समूचे ईरान में सैन्य और अन्य लक्ष्यों पर बमबारी कर रहे हैं। इस बीच लेबनान में मानवीय संकट और गहरा हो गया है। लेबनान में हमले में लगभग 800 लोग मारे गए हैं और 850,000 लोग विस्थापित हुए हैं क्योंकि इजराइल ने ईरान समर्थित हिजबुल्ला चरमपंथियों के खिलाफ हमले शुरू किए हैं और चेतावनी दी है कि कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। पश्चिम एशिया में तैनात अमेरिकी सैनिकों की कुल संख्या स्पष्ट नहीं है, लेकिन कतर में स्थित अल-उदैद वायु सेना अड्डे पर ही आमतौर पर लगभग 8,000 अमेरिकी सैनिक तैनात रहते हैं। यह क्षेत्र के सबसे बड़े वायु अड्डों में से एक है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि फारस की खाड़ी में स्थित खार्ग द्वीप पर अमेरिकी हमले में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया, लेकिन फिलहाल उसके तेल बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं पहुंचाया गया है। लेकिन ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान या कोई और देश होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के आवागमन में बाधा डालता है, तो वह तेल बुनियादी ढांचे को नष्ट न करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार करेंगे। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बगेर कलीबाफ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में चेतावनी दी कि ईरान की दक्षिणी समुद्री सीमा पर स्थित द्वीपों पर अगर हमले हुए तो ईरान 'संयम नहीं बरतेगा'। **युद्धविराम की मध्यस्थता को तैयार फ्रांस-** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजरायल और लेबनान के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए एक बड़ी पहल की है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि फ्रांस दोनों देशों के बीच युद्ध रुकवाने के लिए पेरिस में बातचीत की मेजबानी करने को तैयार है। मैक्रों का मानना है कि कूटनीतिक रास्तों से ही इस जंग को खत्म किया जा सकता है। फ्रांस की इस कोशिश का मकसद मिडिल ईस्ट में शांति बहाल करना है, ताकि निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सके। **29 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी की बिक्री-** पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को कहा कि देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर का वितरण शुरू हो गया है। साथ ही, रसोई गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए देशभर में छापेमारी और औचक निरीक्षण तेज कर दिए गए हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस का पर्याप्त भंडार उपलब्ध होने के बावजूद घबराहट में बुकिंग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत के पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और घरेलू रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं, जिससे देश भर में पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है। शर्मा ने कहा, किसी भी खुदरा बिक्री केंद्र से भंडार खत्म होने की खबर नहीं है। हम घरेलू स्तर पर अपनी जरूरत के अनुसार पर्याप्त पेट्रोल-डीजल का उत्पादन करते हैं और हमें आयात की आवश्यकता नहीं है।

सोशल मीडिया पोस्ट,...

पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए रातों रात दिल्ली लाकर शनिवार को पटियाला हाउस कोर्ट दिल्ली में पेश किया। जहां न्यायालय ने उन्हें तिहाड़ जेल भेजने का आदेश दिया। उन पर बीएनएस की धारा 336 (4), 356 और 353 (1) के तहत आईटी एक्ट का मामला बनाकर अपराध दर्ज किया गया है। **अभिव्यक्ति की आजादी खत्म हो चुकी है- हरितवाल-** पीसीसी महामंत्री सुबोध हरितवाल ने कहा, विनोद तिवारी ने अपनी अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करते हुए विश्व भर में मोदी और एपस्टिन के कारण हो रही देश की बदनामी पर एक सोशल मीडिया पोस्ट कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि एपस्टिन फाइल्स में नाम आने मात्र से देश की छवि पूरे विश्व में धूमिल हुई है, जिसका कारण सिर्फ नरेंद्र मोदी और हरदीप पुरी हैं। **बीजेपी सरकार में नैतिकता नहीं बची-उपाध्याय-** पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा, सत्ता के नशे में बीजेपी सरकार में नैतिकता नाम की चीज भी नहीं बची है। सरकार में इसीलिए विवाद तिवारी को पिण्ड दान जैसे कार्यक्रम से उठा कर जेल भेजने से यह साबित हो गया है कि बीजेपी सरकार किसी भी हद तक जा सकती है। **कांग्रेस वैचारिक रूप से दीवालिया-उज्ज्वल -** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्ज्वल दीपक ने कहा कि यह गिरफ्तारी साबित करती है कि कांग्रेस पार्टी वैचारिक रूप से दीवालिया हो चुकी है और अब केवल 'हेट स्पीच' के सहारे अपनी राजनीतिक जमीन बचाने की कोशिश कर रही है।

पहली बार 108...

जा रहा है जो पीडियाट्रिक यानी शिशु रोग की आपात सुविधाओं से लैस होगी। इनकी तैनाती जरूरत और इमरजेंसी को ध्यान में रखते हुए की जाएगी। साथ होने वाली लगातार घटनाओं को ध्यान में रखते हुए एडवांस लाइफ सपोर्ट सिस्टम वाले एंबुलेंस की संख्या में 60 से बढ़ाकर 70 की जाएगी। एएलएस सिस्टम वाली एंबुलेंस में ऑक्सीजन सहित अन्य तरह के लाइफ सपोर्ट सिस्टम लगे होते हैं। इन एएलएस सिस्टम वाले एंबुलेंस की आवश्यकता होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रमों के साथ व्हीआईपी कार्यक्रम के दौरान भी पड़ती है। इसके अलावा अनुबंधित कंपनी को एंबुलेंस में कॉल ट्रेकर सिस्टम लगाने पर जोर दिया गया है। इसके माध्यम से मदद मांगने वाले का लोकेशन ट्रेस होगा और एंबुलेंस सही समय पर जरूरतमंद तक पहुंच सकेगी।

क्र. सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेजों को जमा करने की अंतिम तिथि और समय	प्राधिकृत अधिकारी का नंबर
62.	कुश कुमार साहू, ममता बाई साहू	प्लॉट - मौजा कोटा, खसरा नंबर-957/1, मकान संख्या-5, मौजा कोटा, तहसील कोटा, जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495113 चौहद्दी: पूर्व - निखिल द्वारा खरीदा गया प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-09-2025	8,30,059	08-12-2025	50,000	5,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
63.	भागवत प्रसाद सोनवानी, जलेश्वरी सोनवानी	फ्लैट - मौजा मेंड्रा, मौजा मेंड्रा खसरा नं. 701/ग. प.ह.नं. 42, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण - जब्बार की भूमि, पूर्व - विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम -सड़क।	03-09-2025	9,95,038	06-11-2025	3,62,800	36,280	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
64.	यश कयारवार, नरेंद्र कयारवार, सुनीता कयारवार	मकान - 2318/8, 2318/14, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	03-08-2025	10,80,724	07-10-2025	88,000	8,800	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
65.	आशीष टंडन, सविता टंडन	प्लॉट - ख.नं. 1704/3/घ/5 का भाग, प.ह.नं. 53, मौजा निरतु, तहसील सकरी जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: उत्तर - विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण - मोहम्मद छोटू की भूमि, पूर्व -सड़क, पश्चिम - भोला श्रीवास की भूमि।	04-07-2025	23,18,634	06-09-2025	1,10,000	11,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
66.	रामप्रकाश, चैती बाई लहरे, राहुल कुमार	प्लॉट - ख.नं. 278, मौजा निरतू, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेण्ड्री विकास खंड, तहसील तखतपुर और जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व -विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम - निस्तारी रास्ता, उत्तर - विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट ।	04-07-2025	12,02,454	06-09-2025	80,000	8,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
67.	हनोक नथानिएल, सोनिया नथानिएल	ख.नं. 1704/3/घ/5, तुरकाडीह चौक के पास, करहीपारा, मौजा निरतु, प.ह.नं.53, रा.नि.मं. सकरी, तह-तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग..), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-20 फीट रोड, पश्चिम-भोला श्रीवास की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-सरकारी भूमि।	03-06-2025	19,75,143	07-08-2025	2,16,000	21,600	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
68.	दिनेश कस्तूरिया, लता कस्तूरिया	ख.नं. 102/7, मौजा छतौना, ख.नं. 102/7, मौजा छतौना, प.ह.नं. 37, रा.नि.मं. अमसेना, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: नहर, पश्चिम-सड़क, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	03-06-2025	12,93,022	07-08-2025	6,12,150	61,215	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
69.	त्रिलोचन मानिकपुरी, श्वेता मानिकपुरी, महेश मानिकपुरी	ख.नंबर 24/3, प.ह.नं. 44, मौजा हाफा, प.ह.नं. 44, रा.नि.मं.-सकरी, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट	03-06-2025	13,10,741	07-08-2025	5,00,000	50,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
70.	प्रेम सिंह ध्रुव, सारिका ध्रुव,	प्लॉट-ख. नंबर 278, प.ह.नं. 53, मौजा निरतु, रा.नि.मं.- पेंड्री विकास खंड, तह तखतपुर और जिला- बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - निस्तारी रास्ता, पश्चिम- राजकुमार पटेल का प्लॉट, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	06-05-2025	10,03,331	07-07-2025	84,000	8,400	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
71.	संजय साहू, रामझूल साहू, लगनी साहू,	ख.नंबर 2318/8, 2318/14, प.ह.नं. 50, मौजा चोरभट्ठीकला, मौजा चोरभट्ठीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं.- गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व - वीरेंद्र कौशिक का प्लॉट, पश्चिम -निस्तारी रास्ता, उत्तर- विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण - विक्रेता का प्लॉट।	06-05-2025	11,70,195	07-07-2025	88,000	8,800	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
72.	दिलीप रेल्वेन, किशन चंद रेलवानी	प्लॉट-1704/3/जी/5, प.ह.नं. 53, मौजा निरतू, तहसील सकरी जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001	04-07-2023	15,22,743	12-09-2023	1,10,000	11,000	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533
73.	प्रेम कुमार मिश्रा, उर्मिला मिश्रा	मकान-ख.नंबर 37/10 (भाग), प.ह.नं. 42, मौजा मेंड्रा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001	04-07-2023	12,08,832	12-09-2023	4,03,200	40,320	30-03-2026 (11am-2pm)	28-03-2026 (upto 5pm)	9730775533

ई-नीलामी सेवा प्रदाता	ई-नीलामी वेबसाइट/विवरण, अन्य नियम और शर्तें	ईएमडी/अन्य राशि जमा करने के लिए खाता संख्या	शाखा का IFSC कोड	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम: ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (ऑक्शन टाइगर) हेल्पलाइन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति: राम शर्मा - 8000023297 ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net और support@lauctiontiger.net	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	912020036268117 होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड - एक्सिस बैंक लिमिटेड, एमआईडीसी, अंधेरी पूर्व।	UTIB0000395	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि - रु. 10,000/- रुपये। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणापत्र और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम एवं शर्तें युक्त ई-नीलामी निविदा दस्तावेज पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। अधिकृत अधिकारी की जानकारी के अनुसार, संपत्ति पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, संपत्ति पर भार, नीलामी के लिए रखी गई संपत्ति के स्वामित्व और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/देयताओं के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की ओर से कोई प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही इसे ऐसा माना जाएगा। संपत्ति होम फर्स्ट को ज्ञात या अज्ञात सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों/अधिकारों/देयताओं के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे। यह बिक्री प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी। **किसी भी विसंगति की स्थिति में, सूचना का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा।**

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 15 दिवसीय बिक्री सूचना

ऋणकर्ता/गारंटर को सूचित किया जाता है कि वे मांग सूचना में उल्लिखित राशि, अद्यतन ब्याज और अन्य संबंधित खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पूर्व भुगतान करें। ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री की जाएगी और यदि कोई बकाया राशि हो, तो उसे ब्याज और लागत सहित वसूल किया जाएगा।

दिनांक: 15-03-2026 स्थान: बिलासपुर

हस्ताक्षरकर्ता: अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

अमेरिका-इजराइल वर्सेज ईरान युद्ध दो सप्ताह से अधिक समय से जारी है। इसके चलते वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमराने लगी है। ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों में उछाल आया है। वहीं, खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर भी बड़ा खतरा पैदा हो गया है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे इस जंग को रुकवाने में हस्तक्षेप की उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। उधर, संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दरअसल, यूएन की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य ही आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति व सुरक्षा बनाए रखना था। वर्तमान में वह अपने इस उद्देश्य में असफल प्रतीत होने लगा है। नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है, जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। इस संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। भारत ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि अगर यह युद्ध और अधिक लंबा चला तो इसके दूरगामी परिणाम भयावह हो सकते हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...

तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रहे कदम

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय
विदेशी मामलों के जानकार

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

इजराइल-अमेरिका विरुद्ध ईरान युद्ध भीषण और विनाशकारी तौर पर निरंतर जारी है। दो सप्ताह से अधिक व्यतीत हो जाने के बाद भी युद्ध समाप्ति की तरफ अग्रसर होने के स्थान पर भीषण विध्वंसकता की तरफ विकरालता ग्रहण कर रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस ऐलान के साथ युद्ध का आगाज किया गया था कि यथाशीघ्र ही ईरान में सत्ता परिवर्तन अंजाम दे दिया जाएगा। ईरान की जमीनी वास्तविकता को समझने में नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप ने बुनियादी गलती अंजाम दे डाली। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खुमैनी और ईरान के शीर्ष नेतृत्व एवं सैन्य कमांडरों को कत्ल कर दिए जाने के पश्चात ईरान और अधिक एकजुट और आक्रामक हो गया है। अमेरिकी और इजराइली लीडरान ने इराक के विरुद्ध ईरान की शत अल अरब की जंग को विस्मृत कर दिया कि इस जंग में सद्दाम हुसैन की आक्रामक सेना के पीछे अमेरिका, यूरोप और खाड़ी देशों के सैन्य बलों की ताकत विद्यमान थी। इराक बनाम ईरान जंग तकरीबन दस वर्षों तक निरंतर जारी रही और इस जंग में ईरान के तकरीबन दस लाख ईरानी नौजवान मारे गए थे। इराक वस्तुतः ईरान के विरुद्ध जंग को फतेह नहीं कर सका था।

एनर्जी मार्केट, सप्लाई चेन बिगड़ी

इस्लामी गणराज्य ईरान के दुर्दान्त लड़ाकू चरित्र को देखते हुए यह कहना अत्यंत मुश्किल है कि वर्तमान जंग का खात्मा जल्दी होने वाला है। दुर्भाग्य से यदि यह भीषण जंग दीर्घकाल तक खिंचती चली गई तो फिर अमेरिका, इजराइल और ईरान के साथ ही साथ समस्त विश्व के समक्ष के विकराल दुष्परिणाम उपस्थित हो जाएंगे। इस जंग के कारण ग्लोबल एनर्जी मार्केट और सप्लाई चेन में अत्यंत उथल-पुथल व्याप्त हो गई है। दुष्कर हालत से प्रतीत हो रहा है कि वैश्विक आर्थिक संकट से अनेक देश निपटने की तैयारी कर रहे हैं। जबकि कुछ देशों को विशेष कर रूस और चीन को इस विभीषिका और अव्यवस्था के मध्य रणनीतिक और बेहतर आर्थिक अवसर भी हासिल हो रहे हैं। 28 फरवरी से निरंतर जारी जंग के दौरान ही तेल की क़ीमत आकाश को स्पर्श कर रही है। अभी तक की जंग से क्रूड तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच चुकी है। शिपिंग और ऊर्जा के बुनियादी ढांचों पर विध्वंसकारी हवाई आक्रमणों और होर्मुज स्ट्रेट के पूरी तरह बंद किए जाने से तेल की कीमत और भी अधिक बढ़ सकती हैं।

तेल की कीमतों में इजाफा

तेल और गैस पर बरपा हुआ यह भीषण संकट जिस तरह से दक्षिण एशियाई मुल्कों में विकराल से आच्छादित हो रहा है, वैसा और कहीं नहीं बरप रहा है। पिछले वर्ष होर्मुज स्टेट से गुजरने वाले कुल तेल और गैस का लगभग 90 फ़ीसदी दक्षिण एशिया के इलाके में भेजा गया था। आम नागरिकों को अपने घरों का चूल्हा जलाने, गाड़ियों में ईंधन भरने, बिजली उत्पादन के लिए तेल व गैस पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है। उद्योगों को संचालित करने के लिए कारोबारी जगत को भी तेल और गैस की बहुत बड़ी दरकार रहती है। विगत सप्ताह नागरिक विमानों में प्रयोग होने वाले तेल की कीमत तकरीबन 60 प्रतिशत बढ़ चुकी है। पाकिस्तान, बांग्लादेश, वियतनाम, कंबोडिया, थाईलैंड, फिलिपींस, इंडोनेशिया, जापान, साउथ कोरिया और भारत आदि दक्षिण एशिया के अनेक देश इस विकराल स्थिति का जबरदस्त दबाव और दंश झेल रहे हैं। जंग शुरू होने के बाद अमेरिका में भी पेट्रोल की औसत क़ीमत विगत दिनों की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक हो गई है और डीजल की कीमत भी एक तिहाई से अधिक बढ़ गई है।

भारत को ईरान से मिली राहत

वहीं ब्रिटेन में डीजल की कीमत 9 प्रतिशत अभी तक बढ़ गई है। यह ऐसा मसला है जिससे तकरीबन सभी देशों की सरकारें बेहद परेशान हैं। रूस से आयातित तेल को भारत रिफाइन प्रक्रिया करके यूरोप को सप्लाई करता रहा था। फिलहाल रूस द्वारा यूरोप के लिए तेल और गैस और सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी गई है। पेट्रोल और गैस की किल्लत का असर केवल चीन पर कदाचित नहीं हो रहा है। एशिया के अन्य देशों की तुलना में चीन की बिजली उत्पादन क्षेत्र में तेल और गैस पर निर्भरता बहुत कम है। भारत के लिए राहत की खबर है कि भारत में ईरान के राजदूत के ऐलान के मुताबिक भारत को होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित पैसेज प्रदान किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा आयद प्रतिबंधों के बाद भारत द्वारा ईरान से तेल खरीदना बंद कर दिया गया था। इसके बावजूद भारत और ईरान के मध्य व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध बाकायदा मित्रतापूर्ण कायम रहे। भारत द्वारा ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए भारी भरकम निवेश किया गया है।

अमेरिका द्वारा भारत सहित अनेक देशों को रूस से तेल खरीदने के लिए तीस दिनों की मोहलत प्रदान की गई है। इस अमेरिकन मोहलत की बदौलत ही रूस अपना खाली खजाना भर लेगा। अमेरिका के ईरान युद्ध में बुरी तरह से उलझ जाने के पश्चात यूक्रेन युद्ध में रूस को और अधिक कामयाबी हासिल हो सकती है। यूक्रेन को अब अमेरिकन हथियारों की सप्लाई बुरी तरह से बाधित हो जाएगी। रूस से भारत सहित अनेक देशों को तेल खरीदने की मोहलत प्रदान करने से यूरोपीय यूनियन के देश अमेरिका से और अधिक नाराज हो गए। कनाडा और ग्रीनलैंड पर डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अपने आधिपत्य का दावा पेश करने के पश्चात यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के मध्य टकराव और तकरार शुरू हो गई थी।

खाद्य संकट छाने की आशंका

इस युद्ध में अपने पुराने नाटो सहयोगियों के मध्य अमेरिका अलग-थलग पड़ता जा रहा है। कृषि उत्पादन में फर्टिलाइजर्स का गहन अभाव हो जाने पर खाद्य संकट उत्पन्न हो सकता है। भारत की दोस्ती वस्तुतः इजराइल और ईरान दोनों देशों के साथ कायम रही है। खाड़ी देशों में निवास कर रहे तकरीबन 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा की चिंता भी भारत सरकार को है। भारत समुचित कूटनीतिक पहल करे तो इस जंग को समाप्त कराने में वह जबरदस्त भूमिका का निर्वाह कर सकता है। खाड़ी युद्ध यदि कुछ अधिक लंबा चल गया तो फिर इस जंग के तृतीय विश्व युद्ध में परिवर्तित हो जाने की प्रबल आशंका है।

तेल, युद्ध और होर्मुज़ : हिल गई दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था

संघर्ष

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका-इज़राइल और ईरान के बीच खाड़ी में छिड़ी जंग ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को झकझोर दिया है। इस संघर्ष का सबसे बड़ा असर पड़ा है स्ट्रेट ऑफ होर्मुज (हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य) पर-वह संकरा समुद्री रास्ता, जिससे दुनिया का करीब 20% तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) गुजरता है। जंग के कारण यह रास्ता लगभग ठप हो गया है। इसी वजह से इन दिनों यह नाम खबरों में बार-बार सुनाई दे रहा है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के मुताबिक, यह आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति रुकावट बन चुकी है। खाड़ी क्षेत्र में तेल-गैस उत्पादन रोज़ाना करीब 1 करोड़ बैरल तक घट गया है। ईरान के हमलों से कई खाड़ी देशों की ऊर्जा सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। नतीजा साफ है- तेल की कीमतें 100 से 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इससे पूरी दुनिया में महंगाई का दबाव बढ़ गया है और अर्थव्यवस्थाओं पर भारी बोझ पड़ रहा है।

दुनिया पर असर : इस संकट की सबसे ज्यादा मार यूरोप और एशिया पर पड़ रही है, क्योंकि ये इलाके अपनी लगभग 90 फीसद ऊर्जा इसी रास्ते से आयात करते हैं। होर्मुज़ के लगभग बंद होने से तेल टैंकरों का आवागमन करीब 98 फीसद तक गिर गया है। इसका सीधा असर गैस बाजार पर भी पड़ा है। विकासशील देशों में ईंधन महंगा होने से खाने-पीने की चीजें महंगी हो रही हैं और उद्योगों की लागत बढ़ रही है। खाड़ी के प्रमुख उत्पादक- सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इराक में उत्पादन रुकने से वैश्विक सप्लाई चेन में देरी और अनिश्चितता बढ़ गई है। यह संकट एक बड़ी सच्चाई भी उजागर करता है-दुनिया की अर्थव्यवस्था अब भी फॉसिल ईंधन (कोयला, तेल, गैस) पर बहुत ज्यादा निर्भर है। यह निर्भरता ऐसे छोटे-से "चोकपॉइंट" पर टिकी है, जो किसी भी समय संकट का कारण बन सकता है।

भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज़ के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है।

भारत पर क्या असर : भारत की स्थिति भी आसान नहीं है। देश अपनी जरूरत का 85–90% कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45–50% तेल खाड़ी से, यानी होर्मुज़ के रास्ते आता है। भारत का करीब 90% एलपीजी और एलएनजी का बड़ा हिस्सा भी इसी क्षेत्र से आता है। अगर सप्लाई लंबे समय तक बाधित रही, तो देश में ईंधन की कमी का खतरा पैदा हो सकता है। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में सीमित अवधि का ही स्टॉक है। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ेगी, रुपया दबाव में आएगा और सरकारी बजट पर बोझ बढ़ेगा। इसका असर आम जिंदगी पर भी दिखने लगा है।

इससे हवाई यात्रा महंगी हो रही है, परिवहन लागत बढ़ रही है और देश भर में छोटे होटल, रेस्तरां और ढाबे तक प्रभावित हो रहे हैं। हालांकि संकट के बीच भारत ने कुछ समझदारी भरे कदम भी उठाए हैं। रूस से तेल आयात बढ़ाकर करीब 40% कर दिया गया। इसके अलावा, स्पॉट मार्केट (जहां तुरंत खरीद-बिक्री होती है) से करीब 3 करोड़ बैरल तेल खरीदा गया।

आगे का रास्ता क्या : कम अवधि में सबसे जरूरी कदम है आयात के स्रोतों को विविध बनाना। भारत और दुनिया को अमेरिका, नाइजीरिया, दक्षिण अमेरिका जैसे क्षेत्रों से ज्यादा तेल-गैस लाना होगा।लेकिन असली समाधान लंबी अवधि में है- साफ ऊर्जा। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इसमें सौर , पवन ऊर्जा परियोजनाएं और इलेक्ट्रिक वाहनों का विस्तार शामिल है, ताकि तेल पर निर्भरता कम हो सके। इसके अलावा- परमाणु ऊर्जा का विस्तार और केजी बेसिन में घरेलू गैस उत्पादन बढ़ाना भी है। ये सभी कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत कर सकते हैं।

खाड़ी की यह जंग एक साफ संदेश देती है- दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा बेहद नाजुक है। अगर पूरी व्यवस्था कुछ संकरे समुद्री रास्तों पर टिकी रहेगी, तो ऐसे संकट बार-बार आते रहेंगे। भारत के लिए भी यही सबक है: ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से बढ़ना। विविध आयात, बड़े भंडार और हरित ऊर्जा में निवेश- यही भविष्य का रास्ता है। अगर सही फैसले लिए जाएं, तो यह संकट केवल खतरा नहीं बल्कि एक अवसर भी बन सकता है। एक ऐसी ऊर्जा व्यवस्था बनाने का अवसर, जो मजबूत हो, सुरक्षित हो और ज्यादा स्वतंत्र भी।

भारत के लिए कूटनीतिक संतुलन साधने की चुनौती

चिंतन

रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिका और इजराइल का ईरान के साथ चल रहा युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डालने लगा है। दो हफ्तों से जारी इस संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति, तेल की कीमतों और खाड़ी क्षेत्र में काम करने वाले लाखों लोगों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा पैदा हो गया है। इसका सीधा असर भारत पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत की ऊर्जा जरूरतें और बड़ी संख्या में भारतीय कामगार खाड़ी देशों पर निर्भर हैं। इजराइल-अमेरिका के ईरान पर हमले के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य के समुद्री मार्गों में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जो दुनिया के ज्यादातर देशों के लिए कच्चे तेल और गैस की सप्लाई का यह एक महत्वपूर्ण रास्ता है। इससे आपूर्ति प्रभावित होने और माल ढुलाई की लागत बढ़ने को लेकर चिंता बढ़ी है। पश्चिम एशिया भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। भारत के निर्यात में इसकी लगभग 14 प्रतिशत और आयात में लगभग 21 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में यदि तनाव और बढ़ता है तो व्यापार के साथ ऊर्जा आपूर्ति भी प्रभावित हो सकती है। फिर भी भारत ने साफ कर दिया है कि वह जंग नहीं बल्कि शांति और कूटनीति का समर्थक है। हालांकि, भारत और ईरान के रिश्ते हमेशा वैचारिक समानता पर आधारित नहीं रहे, बल्कि इनका मूल आधार व्यावहारिक हित और रणनीतिक जरूरतें रही हैं। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार और वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा जैसे कई मुद्दे इससे जुड़े हैं। इसलिए भारत कोशिश कर रहा है कि सभी पक्षों से संवाद बनाए रखते हुए संतुलित नीति अपनाई जाए। फिर भी देखा जाए तो, पिछले दो दशकों में भारत ईरान के साथ अपने संबंधों को लेकर पूरी तरह स्वतंत्र निर्णय नहीं ले पाया। इसकी एक बड़ी वजह अमेरिका की प्रतिबंधात्मक नीतियां रही हैं। ईरान से जुड़ा हर बड़ा फैसला भारत को अमेरिका के साथ अपने संबंधों को ध्यान में रखकर लेना पड़ा है। यही वजह है कि अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ अभियान तेज किए जाने के बीच, भारत कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 80 प्रतिशत आयात करता है। ऐसे में युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा। फिर भी, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है। संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है। नई दिल्ली ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है। इसके कारण स्पष्ट हैं। संघर्ष में शामिल सभी प्रमुख पक्षों के साथ भारत के महत्वपूर्ण संबंध हैं। चाबहार बंदरगाह परियोजना के माध्यम से भारत की क्षेत्रीय संपर्क संबंधी महत्वाकांक्षाओं में ईरान की केंद्रीय भूमिका है। वहीं, इजराइल भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारों में से एक है, जो वायु रक्षा प्रणाली, ड्रोन और निगरानी प्लेटफॉर्म सहित उन्नत प्रौद्योगिकियां प्रदान करता है। साथ ही, पिछले एक दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी में काफी मजबूती आई है, जिसमें रक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करना और उभरती। वहीं पश्चिम एशियाई क्षेत्र में लगभग 90 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं। यह समुदाय भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए हर साल लगभग सौ अरब डालर का योगदान देता है। यह वित्तीय प्रवाह भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। भारत और ईरान के संबंध वैचारिक निकटता की बजाय पारस्परिक हितों पर आधारित रहे हैं। तीनों प्रधानमंत्रियों की मुलाकातों ने यह सुनिश्चित किया कि संवाद की प्रक्रिया जारी रहे। अब पश्चिम एशिया के बदलते राजनीतिक परिदृश्य में यह देखना अहम होगा कि यह रणनीतिक साझेदारी किस दिशा में आगे बढ़ती है। बहरहाल, इस तरह के संकट भारत की विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं। आने वाले महीनों में यह तय होगा कि संघर्ष सीमित रहेगा या एक व्यापक क्षेत्रीय संकट में बदल जाएगा। फिलहाल, मध्य पूर्व एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जिसके परिणाम युद्धक्षेत्र से कहीं आगे तक फैलेंगे।

युद्ध लंबा चला तो कच्चे तेल की कीमतों में आग लगेगी और भारत सीधे इसकी चपेट में आएगा। तेल महंगा होने से भारत में महंगाई बढ़ेगी और देश का व्यापार घाटा और ज्यादा बढ़ने का खतरा रहेगा।

वैश्विक दबंगई देखने को लाचार संयुक्त राष्ट्र

औचित्य

उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

ईरान के खिलाफ अमेरिकी-इजराइली कार्रवाई के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका और औचित्य दोनों पर सवाल उठा है। दिलचस्प यह है कि अमेरिका ने अतीत में जब भी ऐसी कार्रवाई की, उसने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों को लागू करने का बहाना बनाया। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलबेले राजनेता हैं, उनके लिए नियम-कायदों और जगतगति से ज्यादा उनकी अपनी जुबान और सोच मायने रखती हैं। इसलिए ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र संघ की ओट लेने की औपचारिकता भी नहीं निभाई।

संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना का सबसे बड़ा कारण प्रथम विश्व युद्ध के बाद गठित लीग ऑफ नेशन्स की असफलता रही। अमेरिकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन की पहल पर प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी 1920 को स्थापित लीग ऑफ नेशन्स पहला ऐसा अंतरराष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्य उद्देश्य कूटनीति और सामूहिक सुरक्षा के जरिए विश्व शांति बनाए रखना था। लीग ऑफ नेशन्स का प्रमुख उद्देश्य राष्ट्रों के बीच के विवादों को सुलझाना, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सामूहिक सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और वैश्विक स्तर पर निरस्त्रीकरण को अमली-जामा पहनाना रहा। जिनेवा में स्थित वह संस्था ऐसा करने में पूरी तरह नाकाम रही। उसकी नाकामी के चलते जर्मनी और जापान ने विस्तारवादी नीतियां न सिर्फ अपनाईं, बल्कि रोजाना नए-नए राष्ट्रों पर कब्जा और हमला करने लगे। इसके बाद जो हुआ, वह विश्व इतिहास के काले पन्नों में दर्ज है। बेशक लीग ऑफ नेशन्स को 20 अप्रैल 1946 को आधिकारिक रूप से भंग किया गया, लेकिन इसके पहले ही 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना कर दी गई। इसकी स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। अब सवाल यह है कि क्या वह अपने इस प्राथमिक उद्देश्य में सफल है? इस पर चर्चा से पहले संयुक्त राष्ट्र चार्टर पर ध्यान देना जरूरी है, जिसके अनुसार संयुक्त राष्ट्र का मुख्य उद्देश्य,

संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का प्राथमिक उद्देश्य युद्ध की विभीषिका से बचाना और विश्व में शांति और सुरक्षा बनाए रखना था। सवाल यह है कि क्या वह अपने इस उद्देश्य में सफल है?

दुनिया भर में शांति बनाए रखना और अंतरराष्ट्रीय संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान करना है। इसके साथ ही उसका एक और मकसद, राष्ट्रों के बीच समानता और आत्म-निर्णय के सिद्धांतों के आधार पर दोस्ताना संबंधों का विकास करना भी रहा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में साफ लिखा है कि यह अंतरराष्ट्रीय संगठन बिना किसी जाति, लिंग, भाषा या धर्म के भेदभाव के पूरी दुनिया के मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देगा। उसका मकसद, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और मानवीय समस्याओं को हल करने के लिए राष्ट्रों के बीच सहयोग स्थापित करने के साथ ही,गरीबी दूर करने, भूख, बीमारी और निरक्षरता से लड़ने और प्राकृतिक आपदाओं के समय सहायता प्रदान करने के लिए कार्य करना भी है। इसके साथ ही उसकी भूमिका अंतरराष्ट्रीय संधियों और कानूनों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रयास करने की भी है। सवाल यह है कि क्या संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसा कर सका है? निश्चित तौर पर इसका जवाब ना में है।

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की हालत सड़क के किनारे बैठे उस असहाय व्यक्ति जैसी हो गई है, जो सड़क पर जारी मारपीट को असहाय भाव से टुकुर-टुकुर देखने को मजबूर रहता है। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना का सबसे प्रमुख उद्देशय युद्धों को रोकना है, लेकिन न तो यह शीत युद्ध को रोक सका, न ही मौजूदा दौर के संघर्षों को रोक पा रहा है। 1991 के खाड़ी युद्ध के लिए तो अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव को ही बहाना बनाया था। 2001 में भी जार्ज बुश के बेटे जूनियर जार्ज बुश और तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने भी इराक और अफगानिस्तान पर हमले के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्तावों और उसकी सेना की ओट ली थी। जब से ट्रंप ने अमेरिका की दोबारा कमान संभाली है, तब से उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को और ज्यादा पंगु करने की कोशिश की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन समेत संयुक्त राष्ट्र के कई अंगों में अपनी आर्थिक भागीदारी और सहयोग उन्होंने घटाना शुरू कर दिया है। उनका मानना है कि संयुक्त राष्ट्र के मंचों के जरिए अमेरिकी करदाताओं की बड़ी रकम बेकार के कामों में खर्च हो रही है, जिसका अमेरिका को सीधे फायदा नहीं मिलना है। ऐसे में आने वाले दिनों में संयुक्त राष्ट्र की स्थिति और भी ज्यादा निरीह होने वाली है।

आश्चर्यजनक है चीन और रूस की चुप्पी !

दृष्टिकोण

डॉ. एन. के. सोमानी
स्वतंत्र स्तंभकार

इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध तीसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। पुरी दुनिया में भय, चिंता और अफर-तफरी का माहौल है। युद्ध की लंबी खिंचती अवधि ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सनकी शासकों की सनक के परिणाम स्वरूप होने वाले युद्धों का आगाज तो आसान है, लेकिन अंजाम सरल नहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध और गाजा-इजराइल के थकाऊ और उबाऊ संघर्ष से निकलकर सामने आ रही खौफनाक तस्वीरों के बावजूद दुनिया के कथित 'बुचर ब्रदर्स' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके खासमखास इजराइली राष्ट्रपति बैंजामिन नेतन्याहू ने ईरान पर हमला कर दुनिया को संकट में डाल दिया। दोनों पक्ष एक दूसरे के सिविल और सैन्य ठिकानों पर हमला कर नुकसान पहंचाने का दावा कर रहे हैं। वैश्विक शांति की जिम्मेदारी जिन संस्थाओं और संगठनों ने ली हुई है, वह पूरी तरह से खामोश है। दुनिया के कुछ बड़े देश जिनसे हस्तक्षेप की धुंधली सी उम्मीद थी, वह अपना-अपना गणित बैठाने में जुटे हुए हैं। हालांकि चीन और रूस ने ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों की निंदा की है। दोनों देशों की ओर से ईरान को कूटनीतिक और तकनीकी समर्थन दिए जाने की बात कही जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् की बैठक में दोनों पक्षों के बीच हुई गरमा-गरम बहस में जहां एक ओर अमेरिका ने ईरान के साथ जारी जंग को सही ठहराने की कोशिश की। वहीं, दूसरी तरफ चीन और रूस ने ईरान के खिलाफ लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध किया और मौजूदा संकट के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

चीन की भूमिका : ईरान और इजराइल-अमेरिका संघर्ष में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की चुप्पी आश्चर्यजनक है। ईरान द्वारा इस्तेमाल की जा रही मिसाइलों और ड्रोन्स में चीनी बेडू नेविगेशन सिस्टम के उपयोग की खबरें आई है। चीन लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थक रहा है। सिंतबर 2025 में जब राष्ट्रपति शी जिनपिंग की ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात हुई, उस वक्त जिनपिंग ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम का समर्थन करते हुए कहा था कि वह ईरान के परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के अधिकार का सम्मान करते है। ऐसे में सवाल यह है कि चीन की चुप्पी किसी दुविधा का परिणाम है या किसी दीर्घकालिक रणनीति का संकेत। कहीं ऐसा तो नहीं कि चीन मौजूदा संकट में कूटनीतिक अवसरों के जरिए अपने हितों को

कहने को तो चीन और रूस सैद्धांतिक रूप से ईरान के साथ खड़े दिख रहे हैं लेकिन दोनों महाशक्तियां सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचते हुए भी दिख रही हैं।

साधने की कोशिश में जुटा हो। अगर ऐसा है तो मध्यपूर्व में अमेरिका को काउंटर करने में ईरान की जो भूमिका रही, चीन की ओर से उसकी अनदेखी करना उचित नहीं है। हो सकता है चीन अपनी ताइवान नीति के कारण ईरान के पक्ष में खुलकर आने से गुरेज कर रहा हो। बीजिंग अपनी 'वन चाइना पॉलिसी' में ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और वह पुनः इसे अपने देश का हिस्सा बनाना चाहता है। अमेरिका ताइवान की सुरक्षा के लिए वचनबद्ध है। ताइवान की रक्षा हेतु अमेरिका उसे लगातार हथियार और दूसरे सैन्य उपकरण उपलब्ध करवाता है। अब चूंकि अमेरिका ईरान के साथ उलझा हुआ है। ऐसे में दोनों के बीच की तनातनी कूटनीति तौर पर चीन के लिए हितकर कही जा सकती है। पूरे मामले में तेल का भी अपना खेल है। चीन युद्ध के बीच ईरान से तेल खरीद की मात्रा बढ़ाकर उसकी अर्थव्यवस्था को सहारा दे रहा है। चूंकि चीन के कच्चे तेल आयात में ईरान की हिस्सेदार 12 फीसदी है। चीन निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था है। युद्ध के लंबे चलने से उसकी अर्थव्यवस्था और निर्यात उद्योग प्रभावित हो सकता है। संक्षेप में कंहें तो ईरान से तेल की आपूर्ति, मध्य पूर्व में अपने प्रभाव को बढ़ाने की लालसा और ताइवान कुछ ऐसे कारक है जिसके चलते चीन ईरान के पक्ष में खुलकर उतरने में हिचकिचा रहा है।

रूस की भूमिका: चीन की तरह मध्यपूर्व में रूस भी ईरान का अहम सहयोगी और सैन्य साझेदार है। हालांकि ईरान के मौजूदा संकट में उसका झुकाव ईरान की तरफ जरूर दिख रहा है लेकिन वह भी चीन की तरह सिर्फ निंदा और हमले की आलोचना करने तक सीमित है। उसने ईरान पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है और इसे संप्रभु राष्ट्र पर पूर्व-नियोजित और उकसावे वाली आक्रामकता कहा है, लेकिन युद्ध में सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बच रहा है। दरअसल रूस स्वयं यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है। यूक्रेन युद्ध में अमेरिका और उसके पश्चिमी सहयोगी यूक्रेन के साथ खड़े हैं। ईरान के साथ जंग शुरू होने से पहले अमेरिका के जो सैन्य संसाधन यूक्रेन में लग रहे थे, अब वे मध्यपूर्व में लग रहे हैं। इससे जेलेंस्की की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। जो पैट्रियट मिसाइलें पहले यूक्रेन के बार्डर पर तैनात थी, अब उन्हें मध्यपूर्व में तैनात किया जा रहा है। यह यूक्रेन से मोर्चा ले रहे रूस के लिए फायदेमंद है। यही वजह है कि रूस ईरान के पक्ष में किसी तरह के सैन्य हस्तक्षेप के लिए आगे बढ़ने से झिझक रहा है। पुतिन के व्यक्तिगत तौर पर भी ट्रंप के साथ अच्छे संबंध है। पिछले कुछ समय से दोनों के बीच की कैमेस्ट्री बेहतर हुई है। हालांकि सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के रूस के साथ अच्छे संबंध थे। वह रूस के साथ दीर्घकालिक सहयोग के समर्थक थे। वह पुतिन को भरोसेमंद साथी के रूप में देखते थे। यूक्रेन युद्ध के दौरान ईरान और रूस के बीच रक्षा सहयोग तेजी से बढ़ा है। ईरान ने रूस को ड्रोन तकनीक और अन्य हथियार उपलब्ध कराए। ऐसे में अयातुल्ला की शहादत रूस के लिए एक कूटनीतिक झटका है। कुल मिलाकर कहें तो रूस ईरान के आत्मरक्षा के अधिकार का तो समर्थन करता है लेकिन वह मौजूदा संघर्ष में केवल 'मध्यस्थ' के रूप में दिखना चाहता है, न कि सक्रिय भागीदार के रूप में ।

कभी दूर ना हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मान्यता देने की थी। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

विशेषः विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशनः केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

भविष्य के नाम खतः आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटाराः बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टीः घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतेंः जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहेंः केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशनः जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादूः विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ावः नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलेंः अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारनाः पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर

देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिएः ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आईं थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

आज सुबह मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

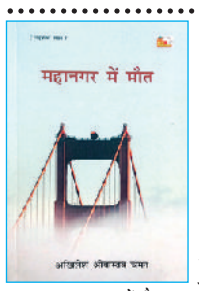

पुस्तकः महानगर में मौत, लेखकः अखिलेश श्रीवास्तव चमन, मूल्यः 225 रुपए, प्रकाशकः न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग
• Hearing Aids
• दंत रोग
• मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी
• चक्कर, खर्राटे

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एजर्ली एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

पुलिस को झांसा देने पति-पत्नी बन कर गांजा तस्करी, दो गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस तथा आरपीएफ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक युवक तथा युवती के कब्जे से 13.5 किलो गांजा जब्त किया है। आरोपी ओडिशा से उत्तरप्रदेश गांजा तस्करी कर ले जा रहे थे। पुलिस को झांसा देने दोनों ट्रेन में पति-पत्नी की तरह यात्रा करते थे। युवती मूल रूप से बिलासपुर की रहने वाली है, जो वर्तमान में उत्तरप्रदेश में रह रही है। गांजा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने उत्तरप्रदेश, कौशांबी निवासी राजेंद्र प्रसाद, हेमलता कैवर्त्य को गिरफ्तार किया है। युवती पहले से शादी शुदा है। राजेंद्र के साथ युवती का प्रेम प्रसंग है। पुलिस के अनुसार दोनों गांजा को ओडिशा खड़ियार रोड से तस्करी कर प्रयागराज ले जा रहे थे। आरपीएफ ने दोनों को गुढ़ियारी पुलिस की निशानदेही पर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर सात से गिरफ्तार किया है। उन पर किसी को गांजा तस्करी

करने का शक न हो, इसके लिए गांजा के ऊपर तथा नीचे की तरफ बोरी में कपड़ा या अन्य सामान भरकर ट्रेन में लावारिश हालत में छोड़ देते थे। गंतव्य तक पहुंचने के बाद गांजा अपने कब्जे में लेकर रफू चक्कर हो जाते थे।

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- अनुभवी बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन सुपरवाइजर की आवश्यकता है सैलेरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9755042841, 9755535553 (40217)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में बिलिंग एवं एकाउंटिंग, माल पैकिंग करने, ट्रांसपोर्ट लेजाने, आर्डर एवं वसूली करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार (पढ़ाई बाध्य नहीं है) सम्पर्क करें- 9111000629 (40227)

आवश्यकता है- मंगला चौक, बिलासपुर स्थित ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़के की आवश्यकता है। कार्य समय सुबह 9 से शाम 6बजे तक। वेतन 10000 से 12000 सम्पर्क करें- 9244664654, 9109511248 (40229)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अरोरा बेकरी, बृहस्पति बाजार के पास, बिलासपुर 9827164721 (40216)

आवश्यकता है- दुकान में काम करने के लिए तीन लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीईश ट्रेडर्स पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9131112769, 9826744475 (40218)

आवश्यकता है- (1) ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़की/ लड़का (2) टेलीकॉलिंग हेतु लड़की (3) मार्केटिंग हेतु लड़की/ लड़का की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एस.एस. एनर्जी इंटरप्राइजेस बिलासपुर 98274 75898, 8234078440 (40228)

आवश्यकता है- थोक जूता चप्पल दुकान में कम्प्यूटर ऑपरेटर लड़के, लड़कियां तथा दुकान में कार्य हेतु सेल्समैन एवं ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 12बजे से 5बजे तक 7000941144 (40219)

आवश्यकता है- आफिस में डाटा एंट्री (टैली) कार्य करने के लिये लड़की की आवश्यकता है समय सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक वेतन 5000 सम्पर्क करें- 90094 60340 (40213)

आवश्यकता है- एरिया सेल्स मैनेजर (FMCG) प्रतिष्ठित नमकीन/ फ्रायम्स निर्माता कम्पनी को ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, बिहार, महाराष्ट्र टेरिटरी हेतु अनुभवी Area Sales Persons तुरन्त चाहिए। योग्यता- FMCG सेल्स अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन- इण्डस्ट्री में सबसे बेहतर। कार्यक्षेत्र- ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखण्ड, बिहार, महाराष्ट्र सम्पर्क- एस.के. प्रोडक्ट्स, सिरगिट्टी इंडस्ट्रियल एरिया, बिलासपुर 62626 79797 ईमेल- skproductsbsp@gmail.com (40224)

आवश्यकता है- घर में झाड़ू पोंछा बर्तन डस्टिंग काम करने के लिए महिला या लड़की की आवश्यकता है काम का समय सुबह 9बजे से शाम 6बजे तक सम्पर्क करें- तेलीपारा बिलासपुर 9425535829 (40222)

आवश्यकता है- एक ड्राइवर (ऑटो EV) कार्य समय 10: 30 से 10: 30 दो घंटा ब्रेक एक कामवाली घरेलु कार्य समय सुबह 7:30 एवं 11: 30 तक पता ओम नगर जरहाभाठा मो. 7828537720 (40215)

आवश्यकता है- डाटा एंट्री, बिलिंग हेतु लड़की एवं दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां इलेक्ट्रीशियन, हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सूरज इलेक्ट्रीकल्स, C-21, नेताजी काम्प्लेक्स मन्दिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर 9301586381, 9827181236 (40226)

आवश्यकता है- हॉस्टल में कार्य हेतु वार्डन (महिला) मेस कर्मचारी, अकाउंटेंट, सफाई कर्मचारी, ड्राइवर, गनमैन, गार्ड, काउंसलर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गायत्री गर्ल्स हॉस्टल बिलासपुर 9302312528, 9302312463 (40225)

आवश्यकता है- केयर टेकर (देखरेख करने वाली) बच्चों एवं घर के काम हेतु स्त्रियों/ लड़कियो की आवश्यकता है रहना खाना फ्री एवं आकर्षक वेतन, केरा रोड, जांजगीर में सम्पर्क करें- 8600012354 (40230)

आवश्यकता है- थोक दवाई दुकान में माल लाने, ले जाने छोड़ने के लिये पार्ट टाइम/ फुल टाइम लड़के लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रीमियर एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (40223)

आवश्यकता है- फील्ड कार्य हेतु लेबर की आवश्यकता है वेतन 10000 से 12000 रहने की सुविधा, स्वयं का वाहन अनिवार्य, गाँव वालों को प्राथमिकता पता- RNM स्कूल सेक्टर-D तिफरा बिलासपुर 8982080720, 9907993543 (40202)

आवश्यकता है- मैनुअल, ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु कुशल ड्राइवर चाहिए। ड्राईविंग लाईसेंस, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- शॉप नम्बर G-36, अम्बे प्लॉजा, न्यू हाईटेक बस स्टैण्ड के सामने, तिफरा, बिलासपुर 9691487438, 7999297322 (40209)

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य करने के लिए लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, सम्पर्क करें- 9630326877 (40212)

आवश्यकता है- सुपर बाजार में हेल्पर के लिए लड़कों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता। बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- अपना सुपर बाजार, SBI ATM के पास, रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर 7470592624 (40205)

आवश्यकता है- अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक में महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 11 से 8बजे तक डॉक्टर अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक, जूनीलाइन, संतोष लॉज के बगल में बिलासपुर 786991 1052 (40210)

आवश्यकता है- OM Refrigeration में AC repairing कार्य हेतु 10 से 12 लड़के चाहिए, अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- बालमुकुन्द स्कूल के पास भारतीय नगर चौक बिलासपुर 7999913098, 98274 69007 (40189)

आवश्यकता है- नौकरी का अवसर प्रतिष्ठित कार्यालय हेतु ऑफिसगर्ल (प्यून) किचन हेल्पर की आवश्यकता है उम्मीदवार को चाय नाश्ता बनाना, स्टाफ को चाय पानी सर्व करना, किचन, ऑफिस की सफाई बनाए रखना, आवश्यक दस्तावेज सामान लाने लेजाने जैसे सामान्य कार्यालय कार्य करने होंगे। मेहनती, जिम्मेदार, ईमानदार महिला उम्मीदवार को प्राथमिकता। वेतन 7000 से 8000 प्रतिमाह सम्पर्क करें- शिव टॉकीज चौक, बिलासपुर 7970010958 (40174)

आवश्यकता है- कृष्णा फुट वेयर होल सेल दुकान में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- पुराना बस स्टैण्ड के पास बिलासपुर 9907925025, 7987210064 (40188)

आवश्यकता है- साड़ी दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सेल्समेन (वेतन 16000+ 1%) सेल्सगर्ल (वेतन 15000+ 1%) हेल्पर लड़के (वेतन 9500) हेल्पर लड़कियां (वेतन 7500) (उम्र 18-30 वर्ष) सम्पर्क करें- 9691342085 (40190)

आवश्यकता है- दुकान में सफाई, दुकान कार्य हेतु तथा GST जानकार एकाउंटेंट। युवक, युवती, महिला, पुरुष आधार कार्ड सहित मिलें- बजाज ट्रेडर्स रिंग रोड नं.-2, सीएलसी प्लाजा के सामने बिलासपुर 8085222340, 7000727385 (40193)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में गोदाम कार्य एवं डिलीवरी हेतु स्टाफ चाहिए। योग्यता 10वीं, 12वीं पास ईमानदार, मेहनती व्यक्ति सम्पर्क करें- एस.वी.एस. डिस्ट्रीब्यूटर्स (Pharma Wholesale) मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 8109637842, 8770022617 (40180)

आवश्यकता है- राइस मिल के संचालन हेतु मुंशी एवं Weighbridge Operator कर्मचारियों की आवश्यकता है - Weighbridge संचालन एवं वजन पर्ची बनाने, मिल में कार्य के अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9584887766, 62666 05636 (40196)

Indus Shareshree Pvt Ltd
Urgent Hiring!
BRANCH MANAGERS/ RELATIONSHIP MANAGERS
Wanted for Raipur, Bilaspur, Korba branches!
Indus Shareshree Private Limited, leading Stock Broker (NSE/BSE), DP, RTA (NSDL/CDSL), Mutual Funds, IPOs, seeks young, energetic Branch Managers. Key Duties: Handle broking/depository ops, build client ties, boost branch profits. Requirements: Graduate, 5+ yrs exp in broking/depository/MF/IPOs, compliance savvy, independent, client-focused, results-driven. Attractive salary as per experience.
Apply with resume:
rs.kushwaha@indusinvest.com
neeraj.k@indusinvest.com.
Call: 011-47671217
9350109529

आवश्यकता है- कपड़े की दुकान में काम करने हेतु हेल्पर, सेल्समेन लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नेमा कम्पनी, सिटी कोतवाली के सामने बिलासपुर 9827104451 (40200)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लडकों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी 15 ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा बिलासपुर 9644004113, 6264550163 (40187)

आवश्यकता है- सेल्समेन एवं सेल्सगर्ल 4 पद बिलिंग हेतु पुरुष 1 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शैल वस्त्रालय मेन रोड मसानगंज बिलासपुर 9238107105 (40201)

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़की, लड़कों एवं ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- के.एस. एजेन्सीज, मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (40195)

आवश्यकता है- भाटापारा फैक्टरी में निम्न पदों पर तत्काल भर्ती ट्रैक्टर ड्राइवर, ड्राइवर, सुपरवाइजर, चपरासी, टेलीकॉलर, आरा मशीन मिस्त्री की आवश्यकता है निवास की व्यवस्था उपलब्ध है सम्पर्क 7987340109 (40198)

आवश्यकता है- कार ड्राइवर चाहिए सुबह साढ़े आठ बजे से शाम आठ बजे तक, दोनो समय खाना बनाने वाली की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मित्र विहार लिंक रोड बिलासपुर 8980809043, 9340969592 (40191)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल डिलिवरी, पेमेन्ट कलेक्शन हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 9000, सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 9827497711 (40140)

आवश्यकता है- शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रह कर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। आयु 18 से 30वर्ष वेतन 9000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 8085189675, 8962000161 (502)

भोपाल में प्रोपर्टी खरीदना है
भोपाल शहर की विकसित कॉलोनीयों में होशंगाबाद रोड, कोलार रोड, में जमीन, प्लाट एवं बंगले खरीदना है
वास्तविक विक्रेता सम्पर्क करें
9826092344

आवश्यकता है- टेन्ट होलसेल दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- श्री टेन्ट एजेन्सी एफसीआई गोदाम के सामने व्यापार विहार बिलासपुर 8770329653 (40178)

आवश्यकता है- फैन्सी ड्रेस दुकान में सेल्सहेड 2पद, सपोर्ट स्टाफ 6पद हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। पता- श्री फैंसी ड्रेसेस, DA/4 चंदेला विहार, महाराणा प्रताप चौक के पास, बिलासपुर 98269 03666 (40176)

आवश्यकता है- 6 चक्का ट्रक चलाने हेतु हैवी लाइसेंसी अनुभवी जिम्मेदार ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। गाड़ी रायपुर, रायगढ़, बिलासपुर चलनी है। इच्छुक व्यक्ति सभी दस्तावेजों सहित सम्पर्क करें- 7000781210 (40181)

आवश्यकता है- सीबीएसई स्कूल में PGT, TGT, PRT, Pre Primary (बीएड अनिवार्य) टीचर्स एवं प्यून, आया और ड्राइवर की आवश्यकता है। सम्पर्क- मॉडर्न एजूकेशनल एकेडमी, आरएसबी कम्पाउन्ड नया सरकण्डा, बिलासपुर 78985 11974 (40169)

आवश्यकता है- इंसुलेटेड कंटेनर परिवहन के लिए हमें वैध भारी वाहन लाइसेंस वाले कुशल और अनुभवी चालकों की लंबी दूरी तक वाहन चलाने की क्षमता, साफ ड्राइविंग रिकॉर्ड आकर्षक वेतन, शुरुआती 17000 माह (अनुभव के आधार पर बातचीत योग्य), आवास और भोजन भत्ता सम्पर्क करें- 6265222373, 9754861172 (0830)

आवश्यकता है- बिलासपुर अग्रवाल लॉज में मैनेजर 1पद, आयु 30वर्ष से ऊपर (वेतन 12000) बिजली मिस्त्री, नल मिस्त्री वाल पेन्टर रोजी में काम करने हेतु चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9406390898 (40192)

आवश्यकता है- बिलासपुर स्थित एजुकेशन कंसल्टेंट ऑफिस में काम करने के लिए टेलिकॉलर, ऑफिस मैनेजर की आवश्यकता है पद संख्या 2, योग्यता अनुभव और अंग्रेजी ज्ञान वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता अपना रेज्यूमे लेकर गुरुवार एवं शनिवार को 12 से 3बजे तक मिलें ऑफिस- वन क्लिक सॉल्यूशन पता अंश प्लाजा सेकेण्ड फ्लोर रिंग रोड नम्बर 2 मंगला बिलासपुर 7987917660 (40170)

आवश्यकता है- साड़ी, रेडीमेड दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता आनुसार सम्पर्क करें- शिव क्लॉथ स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 9827916580, 98278 87934 (40197)

आवश्यकता है- परमानेंट जॉब सभी इंजीनियर, वेल्डर कटर, फिटर, गार्ड, कम्प्यूटर ऑपरेटर, आफिस कार्य-10, ड्राइवर, चपरासी-20, स्टोर कीपर, हेल्फर, सुपरवाईजर, 5वीं- ग्रेजुएट वेतन 11000-30000 रहना फ्री, सम्पर्क- व्यापार विहार बिलासपुर 6232429364 (40095)

आवश्यकता है-प्लास्टिक दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के, लड़कियों (पेमेंट भरपुर मात्रा में) तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नानक ट्रेडर्स तेलीपारा मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (39979)

आवश्यकता है- लवली ड्रेसेस सीएमडी कॉलेज के बाजू में लिंक रोड, बिलासपुर के लिए सेल्समेन एवं सेल्सगर्ल की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9893361111, 70001 03010 (40164)

आवश्यकता है- होटल में काम करने हेतु हाउस कीपिंग मेल स्टाफ की आवश्यकता है। वेतन 7000से 9000 तक सम्पर्क करें- होटल नटराज अग्रसेन चौक बिलासपुर 9977861508 (40166)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में काम करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- हरीरामानी एण्ड सन्स मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9329292940 (40118)

आवश्यकता है- बिजली दुकान में दुकान का काम करने के लिए लड़कों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- कुसुम इलेक्ट्रीकल्स मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 9827961245, 9827107799 (40175)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट कम्पनी में कार ड्राइवर 2पद अनुभव आटोमेटिक, मेनुअल कार चलाने का 7वर्ष से अधिक का अनुभव हो नशा मुक्त वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 7610320000 (40172)

आवश्यकता है- जॉब वेकन्सी (1) माजदा ड्राइवर- 2 (2) पिकप ड्राइवर- 2 पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- प्रतीक ऑटोमोबाइल्स बबल आइलैंड के सामने, सिरगिट्टी रोड, बिलासपुर 94255 30065, 8827773222 (40179)

आवश्यकता है- फैक्ट्री कैन्टीन में खाना मिस्त्री, किचन हेल्पर, रोटी मिस्त्री, खाना देने के लिए एवं बर्तन धोने हेतु आदमियों की आवश्यकता है पता- बिलासपुर (छ.ग.) सम्पर्क करें- 9993334937, 8871824812 (40173)

Medicare Specialists

यौन रोग व यौन कमजोरी
प्रायः सदियों से लोग जानते हैं कि जब कोई रोग किसी भी उपाय से ठीक नहीं होता वो केवल आयुर्वेद के द्वारा ही जड़मूल से ठीक होता है लेकिन कुछ लोगों के मति मारे जाने के कारण अपने को संकट में डाल लेते हैं।
क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें। यदि खून का रिपोर्ट ठीक भी है और आप रोग से परेशान है तो भी इसका स्थायी जड़ से ईलाज केवल आयुर्वेद के रस-रसायन में ही संभव है अन्य कोई उपाय नहीं है इसी को इम्यूनोथैरेपी कहा जाता है। ये गुप्त रोगों के नीम हकीमों से बचकर रहें तो इनकी झूठी बातें एवं निराशा से बच सकते हैं।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक
आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी.के. अग्रवाल बी.ए.एम.एस. (यौन समस्या)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वस्थ्य टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
94255-55659,93039-48500
96177-89223,93032-42200
गुरुवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदरत लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
■ शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
■ शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
■ लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
■ लिंग में टेढ़ापन
■ वीर्य में शुक्राणु की कमी
■ बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
■ पेशाब में धातु जाना
■ शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में (1) सेल्समैन, सेल्सगर्ल- 4पद, (2) बिलिंग कार्य- 2पद, (3) HR- 1पद, (4) Cashier- 1पद, चाहिए। वेतन 10000 से 20000 योग्यता अनुसार अनुभवी ही सम्पर्क करें- KAMLA सतीश्री ज्वैलर्स, (हनुमान मंदिर के बगल में, बर्तन लाइन में) मेन रोड, सदर बाजार, बिलासपुर 9827174256, 9907901110 (कृपया कॉल करके आयें) (40182)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड एवं ऑफिस हेतु कम्प्यूटर आपरेटर चाहिए हिन्दी इंगलिश टाइपिंग अनुभवी वर्ड एक्सेल 2वर्ष अनुभवी। वेतन योग्यता अनुसार पता- श्रीसाईं सिक्युरिटी सर्विस, जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 9993057964, 8253010291 (40177)

आवश्यकता है-यूटीएन शॉप में मार्केटिंग कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। मासिक वेतन 10000 से 15000 सम्पर्क करें- शॉप नं-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7806007192, 79995 94790 (40157)

आवश्यकता है- सिविल लाइंस, रायपुर में 2 पालतू कुत्तों की देख रेख, घर की सफाई के लिए केवल महिला स्टाफ की जरूरत. मासिक वेतन 10,000 महीना, रहने और खाने की सुविधा है. संपर्कः 99934 42479 (061)

बेचना है

बेचना है- TNC प्रोजेक्ट (सर्वसुविधायुक्त Plot & Home) मंगला धुरीपारा रोड एवं रतनपुर मेन रोड से 500 मीटर अन्दर, सेंदरी मोपका बाईपास फोर लेन के ऊपर बेचना है सम्पर्क करें- 9827157523, 7898318935 (40221)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है- लोखण्डी मेन रोड से लगे व्यावसायिक, आवासीय सर्वसुविधायुक्त प्लाट, मकान उपलब्ध है सम्पर्क करें-एस.के. कंस्ट्रक्शन नारायणी हॉस्पीटल के बगल वंदना ट्रेडर्स के ऊपर मंगला चौक बिलासपुर 90986 49603, 7987295995 (39605)

बेचना है- 12×22 की दुकान बहुत वाजिब कीमत में तत्काल बेचना है सर्वसुविधायुक्त परिसर में, चकरभाठा मार्केट से लगा, हाईकोर्ट से वाकिंग डिस्टेंस, बिलासपुर हवाई अड्डा से नजदीक, सम्पर्क करें- 9826130163, 8770523386 (40184)

बेचना है- प्लैट बेचना है शहर की वीआईपी लोकेशन मिनोचा कालोनी बिलासपुर में श्री बीएचके सर्व सुविधा युक्त प्लैट 1845 वर्गफीट एरिया में बेचना है सम्पर्क करें-75871 78668 (40204)

बेचना है- 55×40= 2200 वर्गफुट मेन डामर रोड पर पुराना मकान बना हुआ ग्राम मोहरा में जमीन की कीमत में मटियारी के पास बेचना है कीमत 1200 फुट सम्पर्क करें- 9827938236, 87709 63388 (40220)

किराये से चाहिए

किराये से चाहिए - रोड कंस्ट्रक्शन कार्य हेतु 2 नग नया जेसीबी मशीन मासिक किराया पर चाहिए। स्थान बिलासपुर इच्छुक व्यक्ति संबंधित दस्तावेजों के साथ तुरन्त सम्पर्क करें- 9243530500 (40206)

किराया

किराया- मोपका रोड में राहुल ढाबा, शारदा रेसीडेन्सी के पास फुली फर्निशड 2BHK मकान रेलवे, बैंक, सरकारी कर्मचारी प्राइवेट जॉब वाले फैमली को किराये पर देना है सम्पर्क करें- 9303319861, 8305555541 (40199)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-मैट्स विश्व विद्यालय, मुक्त दूरवर्ती शिक्षा, शासकीय सेवामान्य, प्रवेश प्रारम्भ DCA, PGDCA, BCA, MCA, BA, BSc, BCom, MA, MSc, MCom, BBA, MBA, MSW, BLib, MLib अन्तिम तिथि 15 मार्च, सम्पर्क- राजेन्द्र नगर चौक बिलासपुर 8959264581, 95160 36581 (40085)

वैवाहिकी वर/वधु चाहिए

वर/वधु चाहिए- (अन्य कलाम) 28 वर्षीय वधु के लिए वर तथा दो 32 वर्षीय वर के लिए वधू तथा 65 वर्षीय वर के लिए वधू चाहिए जाति बंधन नहीं संपर्क- 7400556967, 7400556967 (10411)

वर चाहिए

वर चाहिए
जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें
7566281535

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

इंडियन वेल्स मास्टर्स : लिंडा को 6-3, 6-4 से हराया

एलेना और आर्यना में आज होगा खिताबी मुकाबला

सबालेंका ने 1 घंटे 28 मिनट में जीता मैच, लिंडा को हराकर फाइनल में एंट्री

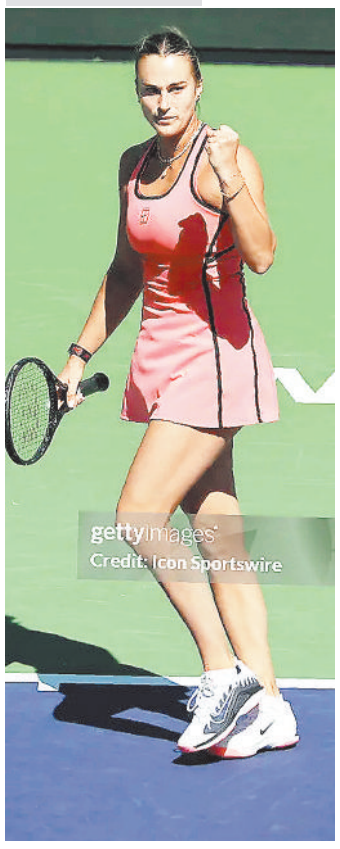

एजेंसी ▶▶ मुंबई

आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स मास्टर्स के फाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई है। सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स का सेमीफाइनल खेल रही 21 साल की लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ मैच की शुरुआत से ही अपनी पकड़ बना ली थी। सबालेंका ने डबल-ब्रेक में 5-1 की बढ़त बना ली और बेहद कम समय में सेट जीत लिया। दो गेम बाद सबालेंका ने ओपन कोर्ट में फोरहैंड विनर मारकर मैच 1 घंटे 28 मिनट में खत्म कर दिया। चेक खिलाड़ी ने दूसरे सेट के आखिर में मैच में अपनी पकड़ बना ली। उन्होंने अपनी सर्विंग की काबिलियत दिखाई, जब उन्होंने दो ब्रेक पॉइंट बचाकर स्कोर 3-2 कर दिया और स्कोर सिर्फ एक ब्रेक तक ही सीमित रखा। नोस्कोवा ने दूसरे सेट में सबालेंका की सर्विंग के समय 4-3, 30-40 पर एक ब्रेक पॉइंट भी हासिल किया, लेकिन लगातार तीन बड़ी सर्व ने दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी को 6-3, 5-3 से जीत की कगार पर पहुंचा दिया।

सबालेंका के कॅरियर की 20वीं जीत

नोस्कोवा पर सबालेंका की सेमीफाइनल जीत इंडियन वेल्स में उनके करियर की 20वीं जीत है। सबालेंका पहली दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी हैं, जो 1989 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से लगातार सालों में फाइनल में पहुंची हैं और विक्टोरिया अजारेंका के साथ इंडियन वेल्स फाइनल में तीन अलग-अलग बार पहुंचने वाली केवल दो सक्रिय खिलाड़ियों में शामिल हो गई हैं।

इस साल मेरा दबदबा रहे

सबालेंका ने कहा, ' मैं यह सुनिश्चित करूंगी कि मैं रविवार को पूरी तरह से तैयार रहूं। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलूंगी और यह सुनिश्चित करने की कोशिश करुंगी कि इस साल मेरा दबदबा रहे।' सबालेंका ने शुक्रवार को जीत हासिल करके 2026 में अपना रिकॉर्ड 12-1 कर लिया। उन्होंने लगातार छठी बार किसी डब्ल्यूटीए टूर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले सेमीफाइनल में पहुंचने से पहले उन्हें आखिरी हार पिछले साल अगस्त में सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टरफाइनल में रयबाकिना से ही मिली थी।

रयबाकिना ने स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया

रयबाकिना ने दूसरे सेमीफाइनल में यूक्रेन की नौवें नंबर की खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-4 से हराया। सबालेंका को 2026 में एकमात्र हार ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में रयबाकिना से मिली थी। सबालेंका निश्चित रूप से उस हार का बदला लेने के साथ इंडियन वेल्स के फाइनल में अपने 0-2 के रिकॉर्ड में सुधार करना चाहेगी।

भांबरी और गोरानसन का सफर सेमीफाइनल में थमा

इंडियन वेल्स। भारत के युकी भांबरी और स्वीडन के उनके साथी आंद्रे गोरानसन का कैलिफोर्निया में खेले जा रहे इंडियन वेल्स मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में शानदार अभियान सेमीफाइनल में हारने के साथ समाप्त हो गया। भांबरी और गोरानसन की गैरवरीय जोड़ी फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच और मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट से 5-7, 7-6(7), 5-10 से हार गई। यह एक कड़ा मुकाबला था, जिसका फैसला टाईब्रेकर से हुआ। भांबरी और गोरानसन पहले सेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए। उन्होंने दूसरे सेट में बेहतर खेल दिखाया और टाईब्रेकर में जीत दर्ज करके मुकाबला को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया।लेकिन निर्णायक टाईब्रेकर में रिंडरकनेच और वाचेरोट ने अपना संयम बनाए रखा और जीत हासिल कर ली।

द्रविड़, बिन्नी और मिताली को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

बीसीसीआई ने जारी की नमन अवॉर्ड विजेताओं की सूची

एजेंसी ▶▶ मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड 15 मार्च को नई दिल्ली में होने वाले बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स 2026 में भारतीय क्रिकेट में शानदार उपलब्धियों का जश्न मनाएगा। यह सालाना समारोह अंतरराष्ट्रीय, घरेलू और एज-ग्रुप क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को पहचान देता है, साथ ही उन लोगों को सम्मानित करता है, जिन्होंने भारत में इस खेल में खास योगदान दिया है। इस बार 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ऑलराउंडर रोजर बिन्नी और पूर्व बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनकी लंबी सेवा के लिए प्रतिष्ठित कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज को देश में महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने में उनके अहम योगदान के लिए बीसीसीआई लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

शुभमन को मिलेगा पॉली उमरीगर पुरस्कार

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सीजन के लिए पॉली उमरीगर पुरस्कार मिलेगा, जबकि स्मृति मंधाना पांचवीं बार बेस्ट अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर का अवॉर्ड जीतेंगी। वहीं बिन्नी को भारत की ऐतिहासिक 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत में एक खिलाड़ी के तौर पर उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है। टूर्नामेंट में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने थे।

शेफाली और म्हात्रे को किया जाएगा पुरस्कृत

भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

विजेताओं की लिस्ट

- पॉली उमरीगर अवॉर्ड 2024-25 : श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर (पुरुष)- शुभमन गिल
- 2024-25 में श्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर– स्मृति मंधाना
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट- 2024-25 महिला - दीप्ति शर्मा
- वन डे इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला- 2024-25 - स्मृति मंधाना

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

प्लेटफार्म का उन्नयन कार्य हेतु निविदा सूचना

कम सं (1): ई–निविदा संख्या: डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–06–26–27, दिनांक 11.03.2026 **कार्य:** सहायक मंडल अभियंता/पेंड्रा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत छुलहा रेलवे स्टेशन के सभी प्लेटफार्म (1,2 और 3, 4) का ऊँचा उठाना/उन्नयन। **निविदा मूल्य: ₹ 3,47,56,689.50/-। अमानत राशि: ₹ 3,23,800.00/-। कार्य पूर्णता की अवधि:** 12 माह। **निविदा जमा की आरंभ तिथि:** दिनांक **24–03–2026** के **11.00** बजे से । **निविदा जमा की अंतिम तिथि:** दिनांक **07–04–2026** के **11.00** बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओ हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/755 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

आईपीएल-2026

पीटरसन ने छोड़ा दिल्ली कैपिटल्स का साथ, मेंटॉर पद से दिया इस्तीफा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन की शुरुआत 28 मार्च से होगी, जिससे पहले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) फ्रेंचाइजी के मेंटॉर पद से इस्तीफा दे दिया है। 45 वर्षीय पीटरसन का कहना है कि वह इस भूमिका के लिए जरूरी समय नहीं दे पाएंगे। हालांकि, इस टूर्नामेंट में कमेंट्री बॉक्स में वापसी करेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल फरवरी में पीटरसन को आईपीएल 2025 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया था। इस बीच पीटरसन ने सपोर्ट स्टाफ के साथ मिलकर काम किया, जिसमें क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव, हेड कोच हेमांग बदानी, असिस्टेंट कोच मैथ्यू मॉट और गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल शामिल थे।

इंग्लैंड के इस दिग्गज खिलाड़ी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा, मैं इस आईपीएल सीजन में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटॉर नहीं रह पाऊंगा। मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सीजन के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। हालांकि, मैं कमेंट्री बॉक्स में आप सभी से फिर मिलूंगा। आईपीएल दुनिया की सबसे बेहतरीन लीग है। मैं जल्द ही आप सभी को देखने के लिए बेताब हूं।

केकेआर को झटका!, राणा हो सकते हैं बाहर

कोलकाता नाइट राइडर्स के तेज गेंदबाज हर्षित राणा आईपीएल 2026 के पूरे सीजन से बाहर हो सकते हैं। केकेआर के लिए ये बड़ा झटका है क्योंकि वे कोलकाता के लिए पिछले कुछ सीजन से बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। हर्षित को टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया में जगह मिली थी लेकिन चोट के कारण वह टूर्नामेंट नहीं खेल पाए थे। हर्षित राणा की जगह टीम इंडिया में मोहम्मद सिराज को रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया गया था। अब खबर सामने आ रही है कि युवा गेंदबाज आईपीएल के लिए फिट नहीं हो सकते हैं।

नई जर्सी में नजर आएंगे केकेआर के खिलाड़ी, दिखाई देगा गोल्डन पैच

मुंबई। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी नई जर्सी लॉन्च की। जारी की गई जर्सी में एक बार फिर से चमकदार सुनहरे पैच लौट आए हैं। कंधों और बाजू में ये पैच दिखेंगे। जर्सी का रंग बैंगनी ही रखा गया है। केकेआर आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे सफल टीम है। उसने तीन बार खिताब जीता। 2012 व 2014 में गौतम गंभीर और 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस फ्रेंचाइज ने खिताब जीता। 2021 में उसे फाइनल में हार मिली थी।

18 मार्च से प्री सीजन कैंप

केकेआर आगामी सीजन से पहले 18 मार्च से कोलकाता में प्री सीजन ट्रेनिंग शुरू करेगी। एक दिन पहले से खिलाड़ी इसके लिए पहुंचना शुरू हो जाएंगे। सबसे पहले तेजस्वी सिंह, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, प्रशांत सोलंकी और सार्थक रंजन जैसे अनकैप्ड खिलाड़ी कैंप का हिस्सा बनेंगे। रहाणे, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती एक-दो दिन की देरी से केकेआर के कैंप में शामिल होंगे। केकेआर से पहले पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स ने भी नई जर्सी जारी की थी। साथ ही पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी अपनी नई जर्सी लॉन्च की।

वर्ष की पहली लोक अदालत में 72 लाख मामले निपटे 3 हजार 732 करोड़ रुपए से अधिक का अवार्ड पारित

चीफ जस्टिस ने जिला न्यायालय दुर्ग एवं जिला न्यायालय रायपुर में कार्रवाई का निरीक्षण किया

बिलासपुर। वर्ष 2026 की प्रथम नेशनल लोक अदालत में प्रदेश में 71 लाख से अधिक प्रकरणों का निराकरण सहित कुल 3732 करोड रुपए से अधिक का अवार्ड पारित हुआ। इस पहली राष्ट्रीय लोक अदालत का हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने जिला न्यायालय दुर्ग में शुभारंभ किया। इस अवसर पर जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी, पोर्टफोलियो न्यायाधीश, जिला दुर्ग की उपस्थिति रही।

चीफ जस्टिस ने जिला न्यायालय दुर्ग एवं जिला न्यायालय रायपुर में राष्ट्रीय लोक अदालत की कार्यवाही का निरीक्षण किया और न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंकिंग संस्थानों एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि न्यायिक मामलों के बैकलॉग को कम करने और विवादों के प्रभावी समाधान को सुनिश्चित करने के लिए सभी हितधारकों के बीच सामूहिक सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोक अदालत की प्रक्रिया में भाग लेने वाले हितधारकों के प्रयासों की सराहना करते हुए, राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे में सक्रिय रूप से सहयोग करने के लिए उन्हे प्रोत्साहित किया, ताकि पक्षकारों को त्वरित और सार्थक न्याय सुनिश्चित किया जा सके। उनकी उपस्थिति सभी के लिए प्रोत्साहन का स्त्रोत बनी और विवादों के त्वरित समाधान हेतु एक वादी अनुकूल तथा सुलभ मंच के रूप में लोक

अदालत तंत्र को सुदृढ़ करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को और बल प्रदान किया। इस दौरान जस्टिस संजय के.अग्रवाल, कार्यपालक अध्यक्ष छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर तथा जस्टिस पार्थ प्रतिम साहू, अध्यक्ष छ.ग. उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति, सभी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों, परिवार न्यायालय के न्यायाधीशों, लोक अदालत की खण्डपीठों के सभी पीठासीन अधिकारी, एडवोकेट, पक्षकार उपस्थित थे।

इस अवसर पर चीफ जस्टिस ने जिला न्यायालय दुर्ग में लोक अदालत एवं मध्यस्थता जागरूकता हेतु थीम साँग का उद्घाटन किया। यह थीम सांग पण्डवानी शैली पर तैयार किया है, जिससे वैकल्पिक विवाद समाधान का संदेश अधिक-से-अधिक लोगों को स्थानीय शैली में दिया जा सके। चीफ जस्टिस ने आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए रायपुर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नेशनल लोक अदालत हेतु छत्तीसगढ उच्च न्यायालय में गठित दोनों खण्डपीठों के अध्यक्ष जस्टिस सचिन सिंह राजपूत और जस्टिस अमितेंद्र किशोर प्रसाद से वर्चुअल चर्चा की और विवादों के समाधान को सुगम बनाने और सौहार्दपूर्ण निपटारे की भावना को बढावा देने के उनके प्रभावी प्रयासों की प्रशंसा की।

चीफ जस्टिस श्री सिन्हा ने सभी जिलों के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीशों से भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से नेशनल लोक अदालत की कार्यवाहियों पर विस्तृत चर्चा की और उन्होनें त्वरित न्याय सुनिश्चित करने में राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सभी न्यायिक अधिकारियों द्वारा लोक अदालत के माध्यम से मामलों का अधिकतम संभव निपटारा सुनिश्चित करने की दिशा में समर्पित प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। इन समन्वित प्रयासों का परिणाम एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में सामने आया है। ध्यान रहे कि शनिवार को आयोजित वर्ष की पहली राष्ट्रीय लोक अदालत जिसमें छत्तीसगढ राज्य के उच्च न्यायालय, जिला एवं सत्र न्यायालय, तहसील स्तरीय न्यायालय, राजस्व न्यायालय इत्यादि शामिल हैं, से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 71,94,079 मामले (जिनमें आपराधिक शमनीय मामले, दीवानी मामले, राजस्व मामले, मोटर दुर्घटना दावा, पारिवारिक विवाद, यातायात चालान सहित मुकदमा पूर्व मामले शामिल हैं) निराकृत किए गए। इसमें 37,32 करोड़ 45 लाख से अधिक रुपए की राशि का अवार्ड पारित किया गया।

इस राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान छत्तीसगढ उच्च न्यायालय, बिलासपुर में एक पारिवारिक विवाद का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। यह मामला पक्षकारो के मध्य उत्पन्न वैवाहिक मतभेद से संबंधित था, जिसमें परिवार न्यायालय, बिलासपुर द्वारा, विवाह विच्छेद की याचिका को खारिज किया गया था। इसके विरुद्ध प्रथम अपील प्रस्तुत की गई थी। राष्ट्रीय लोक अदालत के अवसर पर जस्टिस अमितेन्द्र किशोर प्रसाद की खण्डपीठ के समक्ष दोनों पक्षकारों ने अपने मतभेद दूर करते हुए पुनः साथ रहने पर सहमति व्यक्त की। समझौते के अनुसार पति-पत्नी अपने बच्चों के साथ एक ही छत के नीचे निवास करेंगे तथा पति द्वारा पत्नी एवं बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी वहन की जाएगी। इस प्रकार राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से पारिवारिक विवाद का सकारात्मक समाधान संभव हो सका।

जिला उपभोक्ता फोरम की राष्ट्रीय लोक अदालत में 15 प्रकरणों में राजीनामा

बिलासपुर। जिला उपभोक्ता फोरम राष्ट्रीय लोक अदालत में 15 प्रकरणों में राजीनामा के आधार पर 32 लाख रुपए अवार्ड पारित कराया गया है। 14 मार्च को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में बीमा, बैंकिंग व आवास से संबंधित मामलों को सुनवाई में रखा गया था। आयोग के अध्यक्ष आनंद कुमार सिंघल, सदस्य आलोक कुमार पाण्डेय द्वारा प्रकरणों की सुनवाई की गई। इस अवसर पर 20 प्रकरण सुनवाई के लिए प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 15 प्रकरणों का निराकरण पक्षकारों की आपसी सहमति से राजीनामा के माध्यम से किया गया। लोक अदालत में हुए समझौतों के आधार पर लगभग 32 लाख रुपए की राशि के अवार्ड पारित किए गए, जिसमें संबंधित पक्षकारों को त्वरित एवं प्रभावी न्याय प्राप्त हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोग के कर्मचारी सूर्य प्रताप सिंह स्टेनों शरद यादव, धर्म सिंह, सुनील सोना एवं राजू का विशेष योगदान रहा, जिनकी सेवाएं सराहनीय रही हैं।

परस्पर सहमति से 124 प्रकरण निराकृत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश सिराजुद्दीन कुरैशी के मार्गदर्शन में नालसा द्वारा नेशनल लोक अदालत का आयोजन बिलासपुर कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश आलोक कुमार के नेतृत्व में किया गया। इसमें परस्पर सहमति से कुल 124 प्रकरण निराकृत किए गए।

लोक अदालत में आलोक कुमार की खण्डपीठ में 77 मामले, प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश निरंजल लाल चौहान की अदालत के खण्डपीठ में 24 एवं द्वितीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश स्वर्णलता टोप्पो की अदालत के खण्डपीठ में 23 मामले परस्पर सहमति से निराकृत किए गए। आज की नेशनल लोक अदालत में दूरस्थ ग्रामीण अंचल एवं शहरी क्षेत्र के पीड़ित पक्षकारों द्वारा सहमति आधार पर भरण पोषण, दाम्पत्य पुर्नस्थापना, हिन्दू दत्तक भरण पोषण तथा संरक्षण प्रतिपाल्य अधिनियम के प्रकरण रखा गया। नेशनल लोक अदालत में परामर्शदाता टीआर कश्यप, शमशाद गुल कुरैशी, गेस बाई टण्डन, खण्डपीठ सदस्यों सहित वरिष्ठ न्यायमित्र एएस कुरैशी, प्रशांत गणोरकर का विशेष योगदान रहा। प्रधान न्यायाधीश आलोक कुमार की खण्डपीठ में हांफा सकरी निवासी महिला एवं उसके पति के साथ तीस वर्षों से भरण पोषण का विवाद चल रहा था। पति मजदूर श्रेणी का व्यक्ति था। कई बार राशि अदा नहीं कर पाने पर जेल भी जा चुका था। न्यायालय की समाइशईश पर एकमुश्त 90 हजार रूपए स्थाई भरण पोषण राशि पत्नी को देने सहमति जताई और पत्नी ने स्वीकार किया। इस आधार पर प्रकरण को निराकृत किया गया।

पुत्रियों ने पिता के साथ रहने जताई सहमति

द्वितीय अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश स्वर्णलता टोप्पो की खण्डपीठ में सन 2021 से अचानकपुर थाना चकरभाठा निवासी तीन पुत्रियों ने बोदरी निवासी अपने पिता के विरूद्ध हिन्दू दत्तक भरण पोषण अधिनियम के तहत प्रकरण प्रस्तुत किया। पिता कोयला ट्रांसपोर्टिंग का कार्य करता है, किन्तु शराब के कारण घर में विवाद हो रहा था। आज नेशनल लोक अदालत में पिता ने शराब के सेवन का इंकार किया। तीनों पुत्रियों जो कि कॉलेज में पढ़ रहीं हैं, ने पिता के साथ रहने के लिए सहमति प्रदान की। पिता ने भी अपनी पुत्रियों को गले लगाया। कुटुम्ब न्यायालय की परामर्शदाता शमशाद कुरैशी ने अथक प्रयास से पिता-पुत्रियों को मिलाया। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों को हिदायद दी कि भविष्य में मिलजुलकर रहें और पिता अपने पुत्रियों के प्रति संपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करें। इस तरह एक टूटा परिवार पुनः बस गया।

बसाया गया टूटते घर को

एक अन्य मामले में गलतफहमी के आधार पर घर टूट रहा था, उसे बसाया गया। मस्तूरी निवासी आवेदक तथा बोकारो निवासी अनावेदिका के बीच आदर्श विवाह हुआ था। वे दिसंबर 2025 से अलग थे। दाम्पत्य पुर्नस्थापना के लिए अथक प्रयास किया गया। दोनों पक्षों के बीच गलतफहमी कॉउंसलिंग से दूर की गई। इससे दोनों पति-पत्नी ने एक साथ रहने न्यायाधीश स्पर्णलता टोप्पो के समक्ष सहमति जताई और खुशी-खुशी अपने घर गए।

जुदा दो परिवारों को किया गया एक

प्रथम अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश निरंजन लाल चौहान की खण्डपीठ में भरण पोषण के विवादित मामले में अलग-अलग रह रहे दोनों परिवारों को समझाईश देकर परिवारिक हित में एक साथ रहने की सीख दी गई। दोनों पक्षों ने अपने बच्चों के लिए एक साथ रहने तत्परता दिखाई एवं न्यायालय से ही अपने घर चले गए। इस तरह टूटते परिवारों को एक किया गया।

रेंट कंट्रोल ट्रिब्यूनल और अथॉरिटी के आदेशों को चुनौती देने वाली रिट याचिका खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने रेंट कंट्रोल ट्रिब्यूनल और अथॉरिटी के आदेशों को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका को खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि जहां सक्षम सिविल कोर्ट में मालिकाना हक टाइटल का विवाद लंबित हो और वैधानिक अधिकारियों ने तथ्यों पर एकमत निष्कर्ष दर्ज किए हों, वहां रिट कोर्ट को अपने पर्यवेक्षी अधिकार क्षेत्र सुपरविजयरी ज्यूरिस्डिक्शनमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्त गुरु की खंडपीठ ने एक महिला द्वारा अपने ही पति और उनके भाइयों के खिलाफ दायर बेदखली याचिका को खारिज करने के फैसले को बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने कहा है कि केवल स्वामित्व होना स्वतः ही मकान मालिक और किराएदार के कानूनी संबंध को स्थापित नहीं करता है, विशेष रूप जब मामला पारिवारिक संदर्भ में हो। याचिकाकर्ता श्रीमती हलीमा बेगम ने छत्तीसगढ़ रेंट कंट्रोल एक्ट के तहत रायपुर स्थित 280 वर्ग फुट की एक दुकान से अपने पति और उनके पांच भाइयों को बेदखल करने और बकाया किराए की वसूली की मांग की थी। याचिका के मुताबिक यह संपत्ति मूल रूप से राधाबाई की थी, जिसे उन्होंने 14 फरवरी 2000 को पंजीकृत सेल डीड के माध्यम से खरीदा था। उनका दावा था कि उनके ससुर स्वर्गीय नजीर अहमद 1977-78 से 110 रुपए प्रति माह पर किरायेदार थे। उनकी मृत्यु के बाद, उनके उत्तराधिकारियों प्रतिवादियों ने दुकान में अहमद किराना स्टोर्स का व्यवसाय जारी रखा। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि संपत्ति खरीदने के बाद प्रतिवादी कानूनन उनके किराएदार बन गए, लेकिन उन्होंने नियमित किराया नहीं दिया। जवाब में प्रतिवादियों ने कहा कि यह विवाद संयुक्त पारिवारिक संपत्ति से जुड़ा एक पारिवारिक मामला है। यह संपत्ति अहमद किराना स्टोर्स की संयुक्त पारिवारिक आय से याचिकाकर्ता के नाम पर खरीदी गई थी। उन्होंने मकान मालिक-किरायेदार के किसी भी संबंध से इनकार किया और दावा किया कि वे सह-मालिक के रूप में काबिज हैं। इसके साथ ही पिछले 15 वर्षों से किराए के भुगतान या स्वामित्व स्वीकार करने का कोई दस्तावेजी प्रमाण नहीं है। इसके साथ ही संपत्ति के मालिकाना हक को लेकर एक सिविल सूट पहले से ही हाईकोर्ट में अपील के अधीन है।

दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि रेंट कंट्रोल अथॉरिटी ने सेल डीड के आधार पर याचिकाकर्ता के स्वामित्व को तो स्वीकार किया, लेकिन यह सही पहचान की कि केवल मालिकाना हक होना स्वतः ही मकान मालिक-किरायेदार का कानूनी संबंध स्थापित नहीं करता है। इसके साथ ही किराए के भुगतान, या किसी दस्तावेजी प्रमाण जैसे रेंट एग्रीमेंट या रेंट रसीद भी उपलब्ध नहीं है जिससे साबित हो सके कि दोनों पक्षों के बीच मकान मालिक-किराएदार का संबंध है। हाईकोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया कि खरीद के लगभग 15 साल बाद तक याचिकाकर्ता ने न तो किराये की मांग की और न ही प्रतिवादियों को किरायेदार मानते हुए कोई नोटिस जारी किया।

एक पेड़ से दूसरे तक जाने के लिए लगाते हैं छलांग

नई दिल्ली। खरगोश छोटे और प्यारे दिखने वाले पालतू जानवर होते हैं, जिनका चंचल स्वाभाव दिल जीत लेता है। आपको खरगोश दिनभर खेलते-कूदते और शरारत करते नजर आ जाएंगे। हालांकि, कुछ ऐसे होनहार खरगोश भी होते हैं, जो अपनी प्रतिभा से इतिहास रच डालते हैं। आज हम आपको कुछ प्रतिभाशाली खरगोशों के बारे में बताने वाले हैं, जिन्होनें कुछ कमाल के विश्व रिकॉर्ड कायम किए हैं। इनकी कहानी आपको हैरत में डालेगी और प्रेरित भी करेगी। सबसे लंबी छलांग लगाने वाला खरगोशः खरगोश छलांग लगाने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। औसतन, एक स्वस्थ वयस्क खरगोश 2 से 4 फीट ऊंचा कूद सकता है। हालांकि, डेनमार्क के एक खरगोश ने अपनी लंबी छलांग के जरिए गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया है।

तीन मंजिला इमारत की बालकनी से गिरकर एसईसीएल कर्मी की मौत

हरिभूमि न्यूज : चरचा कॉलरी

नगर पालिका परिषद शिवपुर-चरचा के वार्ड क्रमांक 6 स्थित अंबेडकर नगर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसे में एसईसीएल कर्मी की छत से गिरकर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंबेडकर नगर के तीन तल्ला स्थित क्वार्टर क्रमांक 1756 में रहने वाले एसईसीएल कर्मी श्यामलाल पांव उम्र लगभग 48 वर्ष पिता स्व.सुखदेव पांव चरचा वेस्ट क्षेत्र में कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि वे अपनी पत्नी के साथ उक्त क्वार्टर में रहते थे।

शनिवार की सुबह लगभग 4 बजे किसी अज्ञात कारणवश वे अपने घर की बालकनी से नीचे मुंह के बल गिर पड़े, जिससे उन्हें गंभीर चोट आई और काफी खून निकलने से घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि सुबह जब उनकी पत्नी की नींद खुली और उन्होंने पति को घर में नहीं देखा, तब बाहर जाकर देखा तो वे नीचे गिरे हुए थे। यह दृश्य देखकर वह घबरा गईं और तुरंत अपने परिजन को फोन कर घटना की जानकारी दी। वहीं आसपास के लोगों ने भी घटना की सूचना चरचा थाना को दी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बैकुंठपुर भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि घटना के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। मृतक के तीन बच्चे हैं। घटना की खबर मिलते ही बड़ा पुत्र अपने चाचा के साथ बिजुरी से चरचा पहुंचे। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। इधर घटना की खबर फैलते ही अंबेडकर नगर सहित आसपास के क्षेत्र के लोग काफी संख्या में मौके पर जुट गए। सभी इस अचानक हुई घटना से स्तब्ध नजर आए। पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ की।

कलयुगी पिता ने नहर में डुबाकर की मासूम बेटे की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ पामगढ़

कलयुगी पिता ने पत्नी से हुए विवाद के बाद अपने ही मासूम बेटे की हत्या कर दी। मासूम को नहर में डूबा कर मौत के घाट उतार दिया। पुलिस ने चंद घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जिले के पामगढ़ थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक पिता ने अपने ही 5 वर्षीय मासूम बेटे को नहर के गहरे पानी में डुबोकर मौत के घाट उतार दिया। ग्राम भैसो निवासी रेशम लाल यादव की शादी वर्ष 2018 में हुई थी और उनके तीन बच्चे हैं। रेशम लाल का

अक्सर अपनी पत्नी के साथ विवाद होता रहता था।पारिवारिक विवाद और मारपीट के कारण उसकी पत्नी अपनी दो बेटियों को लेकर मायके ग्राम भिलौनी चली गई थी, जबकि बेटा आयुष अपने पिता के पास ही था। आरोपी अक्सर पत्नी को फोन कर धमकी देता था, कि वह पहले बेटे को मार देगा और फिर खुद भी जान दे देगा। वह 13 मार्च की शाम बेटे आयुष को लेकर निकला और 14 मार्च की रात लगभग 1 बजे ग्राम भिलौनी के आवास पारा नहर में उसे डुबोकर हत्या कर दी। रात करीब 2 बजे रेशम लाल अपनी पत्नी के घर पहुंचा और खुद ही बेटे की हत्या करने की बात बताई। घटना की सूचना मिलने पर पामगढ थाना प्रभारी सावन सारथी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी रेशम लाल यादव को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

संजीवनी एक्सप्रेस के तहत 375 एंबुलेंस सेवा के संचालन को हाईकोर्ट ने सही माना

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ में 108 संजीवनी एंबुलेंस सेवा के लिए जारी टेंडर के खिलाफ दायर याचिका को हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि याचिकाकर्ता ने टेंडर में भाग लिए बिना आपत्ति की है और नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है जो गलत है। राज्य सरकार द्वारा जारी टेंडर के बाद जिस कंपनी को वर्क आर्डर मिला है उसने काम शुरू भी कर दिया है। ऐसे में अब इस याचिका को स्वीकार करना सही नहीं होगा। याचिका में अंबिकापुर आरोप लगाया गया था कि छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने टेंडर प्रक्रिया में शर्तें ही ऐसी रखीं, जिनसे कुछ खास कंपनियों को लाभ पहुंचे। दरअसल छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 108 संजीवनी एक्सप्रेस का संचालन किया जाता है। इसके लिए सीजीएमएसी ने टेंडर जारी किया था। इसमें 375 एंबुलेंस सेवा का संचालन प्रदेश भर में करना था। इसका वर्क आर्डर ईएमआर कंपनी को मिला है। इस पर आपत्ति दर्ज कराते हुए एक दूसरी कंपनी जय अंबे सर्विस ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया है कि 2019 में जारी टेंडर में बोलीदाताओं से 2 साल का अनुभव और 100 एंबुलेंस संचालन का रिकॉर्ड मांगा गया था लेकिन इस बार शर्तें चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए बदल दिया गया। इस बार कंपनी के पास कम से कम 5 साल का अनुभव और लगातार 3 साल तक 300 एंबुलेंस संचालन का रिकॉर्ड होना जरूरी किया गया। साथ ही न्यूनतम सालाना टर्नओवर 150 करोड़ और नेटवर्थ 75 करोड़ तय कर दी गई। ईएमडी राशि भी 50 लाख से बढ़ाकर 10 करोड़ कर दी गई। इससे कई कंपनियां टेंडर में भाग ही नहीं ले सकीं। मामले में शासन ने जवाब पेश करते हुए कहा कि टेंडर प्रक्रिया में नियमों का पूरा पालन किया गया है। शासन के जवाब के पास हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए टेंडर और वर्क आर्डर को सही माना है।

अब तक बेची गई सबसे महंगी फुटबॉल जर्सी, करोड़ों में है जिनकी कीमत

नई दिल्ली। फुटबॉल दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल है, जिसे वैश्विक स्तर पर अनुमानित 400 करोड़ लोग देखते हैं। लिहाजा, फुटबॉल खिलाड़ियों की प्रसिद्धि भी आसमान छूती है। इन खिलाड़ियों ने जिन भी जर्सी को एक बार पहन लिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com